



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண் பாரதத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूर से एक साथ प्रकाशित



5 'पर्यटन को सांस्कृतिक पुनर्जागरण और रोजगार सृजन से जोड़कर आगे बढ़ाएं'

6 ताश के पत्तों की तरह ढहने लगा स्ट्रीट फाइटर्स का किला

7 जब हैसियत बढ़ती है तो दुश्मन भी बढ़ते हैं : कंगना रनौत

फास्ट टेक

पाकिस्तान की तेल एवं गैस कंपनी ने सिंध प्रांत में तेल भंडार की खोज की
पाकिस्तान की सरकारी तेल एवं गैस कंपनी ने देश के सिंध प्रांत के संघर जिले में तेल और गैस भंडार की बड़ी खोज की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओजीडीसीएल) ने बताया कि इस खोज से देश की ऊर्जा मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को घरेलू संसाधनों के जरिए कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। साथ ही कंपनी और देश के हाइड्रोकार्बन भंडार आधार में भी वृद्धि होगी। कंपनी ने पाकिस्तान शेयर बाजार और लंदन शेयर बाजार को भी सूचना में कहा कि पिछले महीने संघर जिले के बोधी और धरमरा की क्षेत्रों में यह खोज की गई।

असम मंत्रिपरिषद विस्तार: आज 12 मंत्री शपथ लेंगे
असम मंत्रिपरिषद का शुक्रवार को विस्तार किया जाएगा जिसमें तीन नए चेहरों सहित 12 मंत्रियों को शामिल किया जाएगा। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह घोषणा की। नए चेहरों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अश्विनी र सरकार, नीलमा देवी और सुशांत बोरगोहेन शामिल हैं। असम गण परिषद (आप) के केशव महंत को भी मंत्रियों की सूची में शामिल किया गया है। वह पिछली राजग सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं। पिछली विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत देवारी का नाम भी नए मंत्रियों की सूची में शामिल है। शेष लोग शर्मा की पहली मंत्रिपरिषद में शामिल थे और वे भाजपा के नेता हैं। इनमें अशोक सिंघल, रनोज पेपु, विमल बोरा, जयंत मल्ला बरुआ, कौशिक राय, कुण्डू पॉल और पीयूष हजाराका के नाम हैं।

पंजाब में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम की गई, दो लोग गिरफ्तार
राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) एसएस नगर (मोहाली) ने सीमा पार आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए विदेश स्थित एक आतंकीवादी के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से पूरी तरह से तैयार आरडीएस आधारित संघर्षित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद कर एक आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार किए गए लोगों में अमृतसर के गुजरपुरा निवासी मणि सिंह (32) और अमृतसर के गिलवाली गेट निवासी अभिषेक कुमार (28) शामिल हैं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि बरामद किया गया लगभग 2.5 किलोग्राम आईईडी पूरी तरह से इस्तेमाल के लिए तैयार था।

पूर्वोत्तर में उग्रवाद अब कोई बड़ा मुद्दा नहीं : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में उग्रवाद अब कोई बड़ा मुद्दा नहीं रह गया है। उन्होंने क्षेत्र की राज्य सरकारों से कानून-व्यवस्था तक सीमित रहने के बजाय नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा तथा उभरती प्रौद्योगिकियों और नए आर्थिक क्षेत्रों के माध्यम से विकास को गति देने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।



यहां उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) के 73वीं पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव आया है, जहां अशांति की जगह शांति ने ले ली है और विकास और निवेश के नए रास्ते खुल गए हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पूर्वोत्तर में उग्रवाद

अब कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। राज्य सरकारों का ध्यान अब केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित न रहकर नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित होना चाहिए कि विकास का लाभ हर घर तक पहुंचे।

मुझे विश्वास है कि भविष्य में योगासन ओलंपिक में जगह बनायेगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अहमदाबाद में पहली विश्व योगासन खेल चैम्पियनशिप को योग के नये चरण का शुभारंभ बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि भविष्य में योगासन ओलंपिक समेत अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में अपनी जगह बनायेगा।



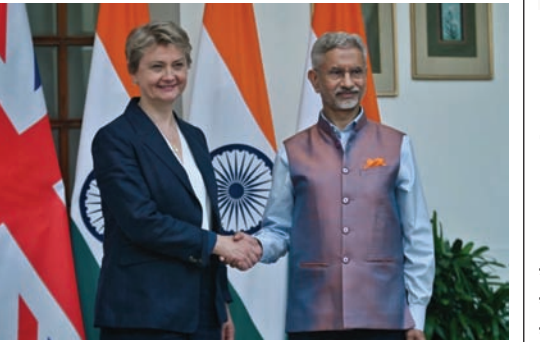
अहमदाबाद में पहली विश्व योगासन खेल चैम्पियनशिप की शुरुआत की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बर्चुअल भाषण में कहा, "अहमदाबाद की धरती से विश्व की खेल विरासत में एक और नया अध्याय जुड़ा है। पहली विश्व योगासन चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने आये सभी देशों के खिलाड़ियों का भारत में स्वागत करता हूँ।" उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि भविष्य में योगासन भी अंतरराष्ट्रीय खेलों

में अपनी जगह बनायेगा। ओलंपिक हो या बहुखेल आयोजन हो। निश्चित तौर पर अहमदाबाद में होने वाली पहली योगासन विश्व चैम्पियनशिप की इसमें बड़ी भूमिका होगी।" अहमदाबाद में हो रही इस चैम्पियनशिप में 60 से अधिक देशों के 400 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। मेजबान भारत ने 122 सदस्यीय दल उतारा है जिसमें खिलाड़ी छह वर्ग में मुकाबला करेंगे। ये खिलाड़ी पांच दिन में

भारत और ब्रिटेन भविष्योन्मुखी साझेदारी बनाने के लिए अच्छी स्थिति में : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन अपने नवगठित व्यापक व्यापार समझौते तथा रक्षा औद्योगिक रोडमैप के आधार पर एक नयी भविष्योन्मुखी एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी के निर्माण के लिए अच्छी स्थिति में हैं। उन्होंने यह बात भारत यात्रा पर आई ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर के साथ हुई बैठक के दौरान कही।



विदेश मंत्री ने हाल के महीनों में द्विपक्षीय संबंधों में हुए "उल्लेखनीय घटनाक्रमों" पर प्रकाश डालते हुए, गत जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा और उसके बाद अक्टूबर में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की भारत यात्रा का उल्लेख किया।

जयशंकर ने कहा कि सीईटीए लचीली आपूर्ति शृंखला बनाने और व्यापार, उर्जा, खाद्य एवं आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्रों में चिंताओं को दूर करने से संबंधित कई मुद्दों का समाधान करता है। उन्होंने कहा, "हमारा रिश्ता एक ऐतिहासिक और शायद सांस्कृतिक जुड़ाव से आगे

आमिर खान ने गौरी स्प्रेट से शादी की पुष्टि की, पांच जुलाई को शादी करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अभिनेता आमिर खान ने पुष्टि की है कि वह पांच जुलाई को अपनी साथी गौरी स्प्रेट से शादी करेंगे। बुधवार को कई खबरों में दावा किया गया कि आमिर और गौरी स्प्रेट अगले महीने एक बेहद निजी समारोह में शादी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अभिनेता ने इन अटकलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। बृहस्पतिवार को आमिर ने इस खबर की पुष्टि की। आमिर ने 'वैरायटी इंडिया' को बताया, मैं फिलहाल अमेरिका में हूँ। शादी की खबर सच है। शादी पांच जुलाई को है। आमिर खान की यह तीसरी शादी होगी। उनकी पहली शादी फिल्म निर्माता रीना दत्ता से 1986 में हुई थी और 2002 तक चली थी। उनके दो बच्चे हैं - जुनेद और इरा खान। आमिर ने 2005 में निर्देशक किरण राव से शादी की और दोनों 2021 में अलग हो गए थे।

झारखंड के पलामू में मालगाड़ी के 15 डिब्बे पटरी से उतरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मेदिनीनगर (झारखंड)/भाषा। झारखंड के पलामू जिले में कोयले से लदी एक मालगाड़ी के बृहस्पतिवार को कम से कम 15 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे के कारण डालटनगंज और गढ़वा रोड जंक्शन के बीच ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हाताहत होने की सूचना नहीं है।


यह घटना पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के धनबाद मंडल के अंतर्गत दोपहर करीब एक बजे राजहरा स्टेशन के पास हुई। इस हादसे के कारण कम से कम 10 यात्री ट्रेन के मार्ग में परिवर्तन किया गया, उन्हें गंतव्य से पहले रोका गया या रद्द कर दिया गया। पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सरस्वती चंद्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, कोयले से लदे 15 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। इस मार्ग पर लम्बी दूरी की दो मालगाड़ियां गुजर रही थीं, जिनमें करीब 116 डिब्बे थे।

टाटा स्टील के ब्रिटेन स्थित संयंत्र में लगी आग

नई दिल्ली/भाषा। टाटा स्टील के ब्रिटेन स्थित संयंत्र में बुधवार को आग लग गई। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह संयंत्र फिलहाल कम-कार्बन (लो-कार्बन) इस्पात उत्पादन प्रक्रिया में बदलाव के दौर से गुजर रहा है। 'टाटा स्टील यूके' ने कहा, "सभी कर्मियों को सुरक्षित रूप से संयंत्र से निकाल लिया गया।" कंपनी ने बताया कि 'मिड एंड वेस्ट वेल्स फायर सर्विस' बुधवार रात करीब आठ बजे (स्थानीय समयानुसार) पोर्ट टैलबोट स्थित घटनास्थल पर आग बुझाने के लिए पहुंची।

**नैनं चिन्दिन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥**

भावपूर्णं श्रद्धांजलि



स्वर्गीय श्री मोहन गोइन्का

पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी : अग्रवाल रिटायर एड एजुकेशनल ट्रस्ट

पूर्व अध्यक्ष : अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज

सलाहकार : जय गोविंद हरि गोपाल अग्रवाल अग्रसेन कॉलेज

मार्गदर्शक: श्री अग्रवाल समाज (मद्रास)

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करते हैं कि महान दूरदृष्टा एवं शिक्षाविद परम पूज्य श्री मोहन गोइन्का जी का स्वर्गवास दिनांक 3.6.2026 बुधवार को हो गया है।

अग्रवाल समाज की तीनों संस्थाओं एवं अग्रवाल समाज(मद्रास) के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य पुण्य आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

05-06-2026 06-06-2026
सूर्यास्त 6:33 बजे सूर्योदय 5:41 बजे

BSE 74,360.01 (+13.84)
NSE 23,416.55 (+10.95)

सोना 16,074 रु. (24 कैर) प्रति ग्राम
चांदी 270,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com

केलाश मण्डेला, मो. 9828233434
न्यायिक पारदर्शिता

न्यायिक घेरे के भीतर, विद्वान्यालय होगा। तब ही सही फैसले लेना, सचमुच तय होगा। हो सकता ना कोई निरंकुश, सत्य विजय होगा। ऐसा लोकतंत्र दुनिया में, कभी न क्षय होगा।



सरकारी नौकरी योग्य उम्मीदवारों को निर्धारित योग्यताओं के अनुसार ही मिलनी चाहिए : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि सरकारी नौकरी निर्धारित योग्यताओं के अनुसार योग्य उम्मीदवारों को ही मिलनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि उच्च योग्यता वाले व्यक्ति को कम योग्यता वाले लोगों के लिए तय नौकरी प्राप्त करने की अनुमति देना वास्तव में योग्य और पात्र उम्मीदवार को वंचित करना है।

न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमजुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी मद्रास उच्च न्यायालय के उच्च आदेश को रद्द करते हुए की, जिसमें एक अस्थायी बैंक परिचालक की सेवा बहाल करने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने इस बात को नजरअंदाज कर दिया कि कर्मचारी ने स्नातक होने की बात छिपाकर उस पद पर नियुक्ति प्राप्त की थी जो विशेष रूप से 10वीं कक्षा तक की योग्यता वाले उम्मीदवारों के लिए आरक्षित था। पीठ ने कहा, "सरकारी नौकरी सभी पात्र उम्मीदवारों को निर्धारित योग्यताओं के अनुसार ही उपलब्ध कराई जानी चाहिए..." शीर्ष अदालत ने कहा, "जब उच्च पद विशेष रूप से कम शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों के लिए था, तो उच्च योग्यता वाले व्यक्ति को ऐसी नौकरी देना निश्चित रूप से वास्तव में एक योग्य और पात्र उम्मीदवार को अवसर से वंचित करने जैसा होगा।" शीर्ष अदालत ने कहा कि शैक्षणिक योग्यता की ऊपरी सीमा निर्धारित करने के पीछे का उद्देश्य तर्कसंगत और न्यायसंगत है। इसका मकसद उन लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है, जो जीवन की परिस्थितियों के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके।



खरगो राज्यसभा चुनाव के लिए आज दाखिल करेंगे नामांकन

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगो शुक्रवार को राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। वह एक बार फिर से कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार होंगे। वह वर्तमान में भी अपने गृह प्रदेश से ही उच्च सदन के सदस्य हैं और 25 जून को उनका कार्यकाल खत्म हो रहा है। वह राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष भी हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि वह शुक्रवार को बेंगलूरु में नामांकन दाखिल करेंगे। कर्नाटक की चार राज्यसभा और सात विधान परिषद सीट पर चुनाव के लिए अधिसूचना वीते सोमवार को जारी की गई, जिसके तहत मतदान 18 जून को होगा। राज्यसभा सदस्य के रूप में खरगो के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इन्द्रा कडाडी और नारायण कोर्राप्पा तथा जनता दल (एन) के एचडी देवेगौड़ा का कार्यकाल 25 जून को समाप्त होने वाला है, जिसके मद्देनजर इन चार सीट पर चुनाव कराए जा रहे हैं। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि आठ जून है। नामांकन पत्रों की जांच नौ जून को की जाएगी। वहीं, उम्मीदवारों वापस लेने की अंतिम तिथि 11 जून है। मतगणना 18 जून को ही मतदान की समाप्ति के बाद की जाएगी। विधानसभा में मौजूदा संख्या बल के मद्देनजर सत्तारूढ़ कांग्रेस के राज्यसभा की चार सीट में से तीन और विधान परिषद की सात सीट में से पांच पर जीत हासिल करने की उम्मीद है।

अनिश्चितता के माहौल में लोग खर्च के बजाय बचत को दे रहे प्राथमिकता: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक एवं वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय उपभोक्ता अपने खर्च को लेकर अब अधिक सतर्क हो गए हैं और बचत को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह निष्कर्ष पेश किया गया है। बाजार शोध फर्म कैंटार की उपभोक्ता धारणा पर केंद्रित यह सर्वेक्षण रिपोर्ट कहती है कि लोगों का आर्थिक एवं व्यक्तिगत वित्तीय संभावनाओं को लेकर भरोसा कुछ कमजोर हुआ है, जिसकी वजह से वे खर्च के बजाय बचत बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

सर्वे में कहा गया है कि उपभोक्ता अब खर्च को लेकर अधिक चयनात्मक हो गए हैं और ऐसी चीजों पर ध्यान दे रहे हैं जो लंबे समय में मूल्य प्रदान करें। मई महीने में किए गए इस अध्ययन में 21 से 55 वर्ष आयु वर्ग के 1,684 उपभोक्ताओं को शामिल किया गया, जिनमें महानगरों एवं गैर-महानगरों के लोग शामिल थे। हालांकि रोजगार के खर्च को लेकर लोग अधिक सतर्क हो गए हैं लेकिन यात्रा एवं अर्थपूर्ण अनुभव उपभोक्ताओं की प्राथमिकता में बने हुए हैं। सर्वे के मुताबिक, लोग अब भावनात्मक संतुष्टि, व्यक्तिगत विकास और तनाव से राहत देने वाले अनुभवों पर कोई समझौता नहीं करना चाहते हैं।

जनवरी 2026 में हुए अध्ययन के पहले चरण में महंगाई और आय स्थिरता को लेकर चिंता उपभोक्ता शुरू हुई थी लेकिन अब इन चिंताओं में और वृद्धि देखी गई है। सर्वे के अनुसार, 2026 में अर्थव्यवस्था के बेहतर होने की उम्मीद 48 प्रतिशत लोगों को है जबकि जनवरी में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत था।

मोदी और रोड्रिगेज के बीच वार्ता में भारत, वेनेजुएला ने दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज के साथ व्यापक वार्ता की, जिसमें महत्वपूर्ण खनिजों, फार्मास्यूटिकल, कृषि और ऑटोमोबाइल सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में दोनों देशों ने अपनी जरूरतों पर आधारित दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी स्थापित करने का संकल्प भी

लिया। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत की ओर से अप्रैल से वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद में तेजी आई है। यही नहीं, वेनेजुएला भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बनकर भी उभरा है। विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि बैठक में रोड्रिगेज का स्पष्ट संदेश था कि उनका देश भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार और इस तथ्य के मद्देनजर भारत को पसंदीदा ऊर्जा भागीदार के रूप में देखता है कि वह आने वाले कई वर्षों तक ऊर्जा बाजार में एक स्थिर खरीदार बना रहेगा। टंडन ने बताया कि जवाब में



प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ऊर्जा संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है और इसमें 'अपस्ट्रीम' (खोज और उत्पादन) और 'डाउनस्ट्रीम'

(शोधन और वितरण) दोनों गतिविधियां शामिल होंगी। उन्होंने कहा, वार्ता में मुख्य रूप से ऊर्जा साझेदारी स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया

गया। वे (वेनेजुएला) भारत को आने वाले कई वर्षों तक एक स्थिर और भरोसेमंद खरीदार के रूप में देखते हैं। इसलिए, भारत और वेनेजुएला के लिए ऊर्जा क्षेत्र में, मिलकर काम करने की पूरी संभावनाएं एवं अनुकूलता है। उन्होंने बताया कि वार्ता में भारतीय पक्ष ने वेनेजुएला पर ओएनजीसी विदेश के 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के लाभों का मुद्दा भी उठाया। टंडन ने एक सवाल के जवाब में कहा, यह हमारा पैसा है। वे (वेनेजुएला) इस मुद्दे को लेकर बहुत गंभीर हैं। उन्होंने बताया कि मोदी-रोड्रिगेज की वार्ता में सप्त्र

द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी का अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार करने के मुद्दे पर विचार-विमर्श हुआ। टंडन ने कहा, वेनेजुएला संसाधनों से समृद्ध देश है। वहां केवल खनिज ही नहीं, बल्कि सोना, हीरे और अन्य धातु भी पाए जाते हैं। इसलिए, खनन की अपार संभावनाएं हैं। वास्तव में इस बात पर चर्चा हुई कि उनके पास मौजूद संभावित भंडारों का आकलन कैसे किया जाए या क्या हम इस क्षेत्र में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने इस सवाल का सीधा जवाब देने से परहेज किया कि क्या जनवरी में अमेरिकी सेना की ओर से तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में

लिए जाने के बाद वेनेजुएला में हुए सत्ता परिवर्तन पर बैठक में चर्चा हुई। टंडन ने कहा, हम सब जानते हैं कि वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन हुआ था। हम एक ऐसी सरकार के साथ काम कर रहे हैं, जो दोस्ताना रुख रखती है और भारत के साथ साझेदारी चाहती है। हम भी वैसा ही सहयोग देना चाहते हैं। और यह मत भूलिए कि वेनेजुएला पारंपरिक रूप से द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर हमारा घनिष्ठ मित्र रहा है। उन्होंने बताया कि वार्ता में ब्रिक्स पर भी चर्चा हुई, जिसमें वेनेजुएला ने समूह की अध्यक्षता के लिए भारत और प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की।

दिसंबर तक 75 लाख घरों की छतों पर लग जाएंगी सौर प्रणाली : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत दिसंबर तक 75 लाख घरों में छतों पर सौर इकाई (रूफटॉप सोलर) लगाने का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। फिलहाल इस योजना के तहत करीब 41 लाख घरों में सौर संयंत्र लगाए जा चुके हैं।

सरकार ने फरवरी, 2024 में इस योजना की शुरुआत 75,021 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ की थी। इसका उद्देश्य एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर लगाकर हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है। योजना के तहत दो किलोवाट तक की सौर प्रणाली पर 60 प्रतिशत और दो से तीन किलोवाट के बीच की क्षमता पर अतिरिक्त 40 प्रतिशत केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) दी जाती है। अधिकतम तीन किलोवाट तक सब्सिडी का



लाभ मिलता है। जोशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह योजना देश के ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से बदलाव ला रही है और दो वर्षों में 40 लाख से अधिक परिवार इससे जुड़ चुके हैं। वहीं 65 लाख से अधिक आवेदन प्रक्रिया में हैं और अगले सात महीनों में 75 लाख घरों का लक्ष्य पाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से कम और मध्यम आय वाले परिवारों को इस

योजना का अधिक लाभ मिलेगा।

इससे पहले जोशी ने विभिन्न मंत्रालयों और संस्थानों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर लगाए जाने की प्रगति की समीक्षा की गई। जोशी ने कहा कि सरकारी भवनों पर सौर इकाई लगाने का 80 प्रतिशत लक्ष्य पूरा हो चुका है और अब तक 53,874 भवनों में कुल 855 मेगावाट क्षमता स्थापित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि योजना शुरू होने से पहले जहां हर महीने करीब 7,000 रूफटॉप सोलर लगाए जाते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर तीन लाख से अधिक हो गई है। इसके साथ, मई 2026 में रिकॉर्ड 3.16 लाख सौर प्रणाली लगाई गई। इस योजना को अपनाने के बाद 17 लाख से अधिक परिवारों का बिजली बिल लुप्त हो गया है, जबकि उपभोक्ताओं ने अतिरिक्त बिजली को ग्रिड को बेचकर 421 करोड़ रुपये से अधिक की आय अर्जित की है। योजना के तहत अब तक 22,750 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है, जिसमें अकेले 2,743 करोड़ रुपये मई 2026 में दिए गए।

सीजेपी को 'अर्बन नक्सलियों' का समर्थन प्राप्त है: एन. रामचंद्र राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) जैसे समूहों को अर्बन नक्सलियों और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे संगठनों का समर्थन प्राप्त है।

राव ने जोर देकर कहा कि 'जेन जेड' भारतीय मूल्यों से पहचान रखती है और देश के युवा उन लोगों के झंडों में नहीं आएं, जिन्हें कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय निवेशक और परोपकारी जॉर्ज सोरोस जैसे व्यक्तियों का समर्थन प्राप्त है।

राव ने यह बयान तेलंगाना गठन दिवस के अवसर पर प्रेस क्लब हैदराबाद द्वारा आयोजित 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में दिया। उन्होंने कहा, युवाओं को मुद्दों पर लड़ने का अधिकार है। कई छात्र संगठन हैं। मैं यह नहीं कह रहा कि हर छात्र को भाजपा या अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) का ही अनुसरण करना चाहिए। 'कांक्रोच जनता पार्टी' कोई नई घटना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसे आम आदमी पार्टी जैसे दलों से जुड़े लोगों ने बनाया है। उन्होंने कहा कि वे लोग सोशल मीडिया के जरिए किसी तरह की खास विचारधारा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।



उनके अनुसार इनकी मौजूदगी केवल सोशल मीडिया तक सीमित है और जमीनी स्तर पर इनका कोई वास्तविक आधार नहीं है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सुर्यकांत द्वारा वकीलों को वरिष्ठ का दर्जा दिए जाने से संबंधित एक सुनवाई के दौरान कांक्रोच और परजीवी को लेकर की गई कथित टिप्पणियों से उपजे विवाद के बाद सोशल मीडिया पर सीजेपी ने लोगों के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सीजेआई ने बाद में स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणियां फर्जी और जाली डिग्रियों के माध्यम से कानूनी पेश में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों पर केंद्रित थीं, जिन्हें गलत तरीके से पेश किया गया। यह मंच बेरोजगारी, परीक्षा-पेपर लीक और शिक्षा जैसे मुद्दों को उठाने के लिए मीन्स और तीखी राजनीतिक टिप्पणियों का उपयोग कर रहा है। हैदराबाद के तीन नगर निगमों के आगामी चुनावों के लिए भाजपा द्वारा अकेले चुनाव लड़ने या गठबंधन करने के सवाल पर राव ने कहा कि इस संबंध में अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा, "जहां तक हमारे वर्तमान रुख का सवाल है, हम अकेले ही चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, अपनी जीत के लिए हमें सभी लोगों के समर्थन की आवश्यकता है। गठबंधन और अन्य मामलों पर निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा।"

प्रारंभिक परीक्षा में चेहरा मिलान प्रोटोकॉल सफलतापूर्वक लागू किया गया : यूपीएसएसी

नई दिल्ली/भाषा। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल में संपन्न सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 में चेहरा मिलान प्रोटोकॉल सफलतापूर्वक लागू किया। यूपीएससी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा है कि चेहरा मिलान प्रोटोकॉल यह सुनिश्चित करता है कि फॉर्म भरते समय अभ्यर्थी ने जो तस्वीर अपलोड की थी, वह परीक्षा देने के लिए एडमिट कार्ड के साथ पहुंचे व्यक्ति से मेल खाए। चेहरा मिलान प्रोटोकॉल ने परीक्षा केंद्रों पर मौजूद पर्यवेक्षकों को नोबाइल फोन आधारित सत्यापन के जरिये अभ्यर्थियों का वास्तविक समय में लाइव प्रमाणीकरण करने में सक्षम बनाया, जिससे निर्बाध पहचान पुष्टि सुनिश्चित हुई और अभ्यर्थियों के स्थान पर किसी और के परीक्षा देने की गुंजाइश समाप्त हो गई।

बयान के मुताबिक, यूपीएससी ने 24 मई को आयोजित सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के दौरान ने देशभर के सभी 2,072 परीक्षा केंद्रों पर वास्तविक समय में चेहरा मिलान प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। आंकड़ों के अनुसार, सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के लिए कुल 8,19,732 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से लगभग 5.49 लाख (67%) परीक्षा में शामिल हुए। बयान में कहा गया है कि यूपीएससी ने अपना चेहरा मिलान एप्लीकेशन डेवलपमेंट एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईडीडी) के तकनीकी सहयोग से विकसित और कार्यान्वित किया है। यूपीएससी ने एक ऐसी व्यवस्था शुरू की है, जिसके तहत किसी भी अभ्यर्थी को चेहरे के मिलान की प्रक्रिया से सफलतापूर्वक गुजरने के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाती है।

'माझे घर' योजना प्रवासी नहीं, गोवा के मूल निवासियों के लिए है : प्रमोद सावंत



पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार की 'माझे घर' योजना को लेकर यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि इसका उद्देश्य 'प्रवासियों' के मकानों को नियमित करना है, जबकि यह पहल केवल 'गोवा के मूल वासियों' के घरों को नियमित करने के लिए शुरू की गई है।

सावंत ने मडगांव में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के तहत स्वागत प्रमाणपत्र वितरित करने के दौरान कहा कि यह योजना केवल गोवा के मूल वासियों के पुश्तैनी घरों को नियमित बनाने के लिए है। उन्होंने कहा, "अब भी भ्रम फैलाया जा रहा है। कल एक पत्रकार ने मुझसे पूछा था कि क्या यह योजना प्रवासियों के मकानों को नियमित करने के लिए है? यह योजना वर्ष 1972 से पहले बने पुश्तैनी घरों को नियमित करती है। ये मूल गोवा वासी हैं, जो लंबे समय से गोवा में रह रहे हैं।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन लोगों को अपने घर खाने का डर सता रहा था क्योंकि दस्तावेजी खामियों के कारण उनका घर 'अनियमित' था, 'अवैध नहीं'। उन्होंने कहा, "कुछ लोग अपनी ही जमीन पर बने घरों के ध्वस्तीकरण की आशंका से भयभीत थे। यह योजना उन्हें उस डर से राहत प्रदान करती है।"



अहमदाबाद में दूषित जल: सात लोग अस्पताल में भर्ती

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने स्थिति की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद शहर के घाटलोडिया इलाके में दूषित पानी के सेवन से कम से कम 50 लोग बीमार पड़ गए और उनमें से सात फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं। नगर निगम ने सर्वेक्षण करने और धिक्किसा दल तैनात करने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य के अधिकारियों से बात की और स्थिति का जायजा लिया। इस घटना से इलाके में अतिशय और उत्प्रेरक प्रकोप की खबरों ने दहशत पैदा कर दी और स्थानीय लोगों को इंदौर में हाल में पानी दूषित होने के कारण हुई घटना पर आ गई। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा जारी एक विज्ञापित में कहा गया, गांधीनगर से लोकसभा सदस्य और

आंध्र प्रदेश के इतिहास में चार जून सदा याद किया जाएगा : मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि चार जून आंध्र प्रदेश के इतिहास में एक यादगार मील का पत्थर है। उन्होंने याद दिलाया कि 2024 में इसी दिन मतदाताओं ने तेदेपा-भाजपा-जन सेना गठबंधन को निर्वाचक जनादेश दिया, जिससे राज्य को "विनाश से विकास की ओर" ले जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

तेलुगु देशम पार्टी, जन सेना और भाजपा के गठबंधन ने आंध्र प्रदेश विधानसभा में 164 सीटों जीतीं जबकि 2024 के चुनावों में वार्डेंडर आर कांग्रेस केवल 11 सीटों तक सिमट गई। इन चुनावों



के बाद नायडू चौथी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "चार जून, 2024 आंध्र प्रदेश के इतिहास में एक ऐसा दिन है जो सदा याद किया जाएगा। आज उस ऐतिहासिक दिन के दो साल पूरे हो गए हैं जब जनता ने राज्य को विनाश से विकास की ओर ले जाने का अभूतपूर्व फैसला सुनाया था।" उन्होंने कहा, "यह जीत हमारे लिए केवल सत्ता नहीं है; बल्कि यह जनता द्वारा हमें सौंपी गई एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसके तहत हमें राज्य का पुनर्निर्माण करना है।" तेदेपा प्रमुख नायडू ने कहा कि सरकार लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर काम कर रही है, जिसमें कल्याण, विकास और सुशासन उसके लक्ष्य हैं।

दूसरी ओर, जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वार्डेंडर आर कांग्रेस ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि नायडू ने दो साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद भी चुनावी वादों को पूरा नहीं किया है। पार्टी ने एक प्रेस विज्ञापित में दावा किया, "गठबंधन सरकार ने सत्ता में आने के बाद अपने वादों को तोड़कर समाज के सभी वर्गों को धोखा दिया है।"

राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सतीश पूनिया और अल्का गुर्जर को बनाया उम्मीदवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीट पर होने वाले चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को सतीश पूनिया और अल्का गुर्जर को अपना उम्मीदवार घोषित किया।

पार्टी के हरियाणा मामलों के प्रभारी पूनिया भाजपा की राजस्थान इकाई के पूर्व अध्यक्ष हैं। जबकि गुर्जर पार्टी की राष्ट्रीय सचिव हैं। राजस्थान की तीन राज्यसभा सीट के लिए चुनाव 18 जून को होंगे और परिणाम भी उसी दिन घोषित किए जाएंगे। ये रिक्तियां इसलिए उत्पन्न

हुई हैं क्योंकि केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा सांसद राजेंद्र गहलोत और कांग्रेस सांसद नीरज डांगी का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विधानसभा में वर्तमान शक्ति संतुलन के आधार पर भाजपा दो सीट जीतने की स्थिति में है। पूनिया और गुर्जर की उम्मीदवारी को भविष्य के राजनीतिक मुकामलों से पहिले जाट और गुर्जर समुदायों तक पहुंच बनाने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। दोनों नेता पार्टी में विभिन्न संगठनात्मक पदों पर रहे हैं और कई वर्षों तक राज्य की राजनीति में सक्रिय रहे।



डॉ. सतीश पूनिया राजस्थान के वरिष्ठ भाजपा नेता और पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से भूगोल में पीएचडी की है। उनका राजनीतिक करियर छात्र राजनीति से शुरू हुआ, जब वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े। इसके बाद वह भाजपा में विभिन्न पदों पर रहे, जिनमें प्रदेश भाजपा के महासचिव और भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शामिल हैं। उनका परिवार भी राजनीतिक रूप से सक्रिय है, चुने गए और 2019 में राजस्थान भाजपा अध्यक्ष बने। उन्होंने अन्य

राज्यों में भी संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभालीं, जिनमें हरियाणा प्रभारी का पद शामिल है। वह एक राजनीतिक रूप से सक्रिय परिवार से आते हैं। उनके पिता पंचायत समिति प्रमुख रहे हैं। अल्का गुर्जर भाजपा की वरिष्ठ नेता हैं और वर्तमान में पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव हैं। वह डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त कर चुकी हैं। उन्होंने पार्टी में कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक पदों पर कार्य किया है, जिनमें प्रदेश उपाध्यक्ष और पार्टी प्रवक्ता शामिल हैं। वह 2013 में राजस्थान के बांदीकुई से विधायक चुनी गईं। वह राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रही हैं। उनका परिवार भी राजनीतिक रूप से सक्रिय है, उनके पति नाथू सिंह गुर्जर भाजपा के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मंत्री रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बीजेपी नेता नैनार नागेंद्र ने सीएम विजय से की अपील 'बिना राजनीति के लागू करें केंद्र की कल्याणकारी योजनाएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता नैनार नागेंद्र ने राज्य के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय से एक विशेष अनुरोध किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि वे पूर्ववर्ती डीएमके (द्रमुक) सरकार की तरह भाषा, जातीयता और राजनीति के आधार पर विभाजनकारी नीतियों का सहारा न लें। इसके बजाय, तमिलनाडु की जनता के हित में केंद्र सरकार की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं को राज्य में पूरी तरह और बिना किसी उपेक्षा के लागू करें।



नैनार नागेंद्र ने अपने बयान में कहा, यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि पीएम नरेंद्र मोदी भारत के सबसे दीर्घकालिक प्रधानमंत्री के रूप में शान कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहरलाल

के उस विचार को मजबूत करता है जिसमें केंद्र और राज्यों का सहयोग ही राष्ट्र के विकास का मुख्य आधार माना गया है। हाल ही में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की उपस्थिति में इस योजना को लेकर एक समझौता ज्ञापन (चेण) पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जो 'संयुक्त भारत' के विकास का एक बेहतर उदाहरण है।

पर्यावरण और जल संरक्षण पर विशेष ध्यान : बढ़ते वैश्विक तापमान, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के संकट चिंता व्यक्त करते हुए नागेंद्र ने कहा कि मोदी सरकार इन समस्याओं से वैश्विक स्तर पर निपट रही है। केंद्र सरकार गांवों के विकास और कृषि श्रमिकों के कल्याण के लिए गंगा सहित सभी नदियों, तालाबों और झीलों के संरक्षण हेतु कई विशेष योजनाएं चला रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री विजय से फिर से आग्रह किया कि तमिलनाडु के लोगों के समग्र विकास के लिए केंद्र की इन महान कल्याणकारी योजनाओं को बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के धरातल पर उतारा जाए।

चेन्नई में राष्ट्रीय डोपिंग-रोधी शिक्षा केंद्र स्थापित किया जाएगा

चेन्नई। चेन्नई में एक राष्ट्रीय डोपिंग-रोधी शिक्षा एवं जागरूकता केंद्र स्थापित किया जाएगा जो अनुसंधान और क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा। युवा कल्याण एवं खेल विकास विभाग के सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह केंद्र राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के सहयोग से स्थापित किया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा, मद्रास में एक राष्ट्रीय खेल विज्ञान, खेल चिकित्सा एवं पुनर्वास केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया है, जो मौजूदा खेल विज्ञान ढांचे का उपयोग करते हुए देश भर के खिलाड़ियों को एकीकृत प्रदर्शन सुधार और चोट से उबरने संबंधी सेवाएं प्रदान करेगा। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के तैयारी के तैयार करने की राज्य की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कोयंबटूर, चेंगलपट्टु, तिरुवरुर और तिरुपुर जिलों के लिए क्षेत्रीय, विश्व-स्तरीय और ओलंपिक-मानक वाले परिसर बनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके अलावा, इनडोर खेलों में युवाओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए, कलाकुरिची, तिरुनेलवेली, रानीपेट और कुड्डलोर जिलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया।



बीआईएस चेन्नई ने पीवीसी इंसुलेटेड केबल्स के मसौदा मानक पर किया 'मानक मंथन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मानक ब्यूरो (इसके) के चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय में आज 1100 वोल्ट तक के पीवीसी इंसुलेटेड केबल और कॉर्ड (आईएस 694) के मसौदा मानक पर 'मानक मंथन' कार्यक्रम का आयोजन किया

गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उद्योगों, तकनीकी विशेषज्ञों और उपभोक्ताओं को मानक निर्माण की प्रक्रिया में शामिल करना था। कार्यक्रम में बीआईएस के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। ए.डी. दयानंद (वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस चेन्नई) ने राष्ट्र निर्माण और गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में बीआईएस

की भूमिका पर प्रकाश डाला। संदीप कुमार कनोगिया (उप महानिदेशक, दक्षिण) ने हितधारकों से अपील की कि वे नए मसौदे का अध्ययन करें और बीआईएस मानक विकास पोर्टल या ई-मेल के जरिए समय पर अपने सुझाव और तकनीकी प्रतिक्रिया साझा करें। के. साई चंद्र (उप निदेशक, बीआईएस चेन्नई) ने तकनीकी सत्र का संचालन

करते हुए पीवीसी केबलों के निर्माण, सुरक्षा पहलुओं और उपभोक्ता सुरक्षा पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में बीआईएस ने उपभोक्ताओं और उद्योग जगत को सलाह दी कि वे हमेशा बीआईएस केयर एम्पवा आधिकारिक पोर्टल के जरिए 'आईएसआई मार्क' और 'हॉलमार्क' की प्रामाणिकता की जांच जरूर करें।



नई पार्टी या इस्तीफे पर बात नहीं हुई : अन्नामलाई पर भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके पूर्ववर्ती के. अन्नामलाई ने नयी पार्टी बनाने के बारे में किसी से कोई बात नहीं की है। नागेंद्र ने यह भी कहा कि उन्हें पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष से कोई व्यापक प्रश्न नहीं हुआ है। अन्नामलाई के भाजपा छोड़कर अपनी नयी पार्टी बनाने की अटकलों के बीच पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नागेंद्र ने स्पष्ट किया कि उनके (अन्नामलाई) इस्तीफे की खबरें निराधार हैं। नागेंद्र ने पत्रकारों से कहा, "भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मुझे अभी तक ऐसा कोई प्रश्न नहीं मिला है। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है।"

अन्नामलाई ने किसी से भी नयी पार्टी बनाने के बारे में बात नहीं की है। इस बारे में हमारी उनसे बात नहीं हुई है ना ही उन्होंने हमसे कुछ कहा है। अन्नामलाई के इस्तीफे को लेकर अटकलों के बारे में पूछे जाने पर नागेंद्र ने कहा, "आज मेरे प्रिय भाई (अन्नामलाई) को उनके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनका इस्तीफे की खबरें झूठी, निराधार और अफवाहें हैं।" भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी अन्नामलाई ने राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब उनके भाजपा छोड़कर अपनी नयी राजनीतिक पार्टी बनाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, पार्टी ने आधिकारिक तौर पर यह खुलासा नहीं किया है कि बैठक में क्या चर्चा हुई।

कराबीनि : सुविधा समागम कार्यक्रम 10 को

चेन्नई। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कराबीनि) हितधारकों, बीमित व्यक्तियों, नियोजकों और लाभार्थियों की शिकायतों के निवारण के लिए सुविधा समागम बैठक आयोजित कर रहा है। सुविधा समागम का आयोजन 10 जून को अपराह्न 2.30 बजे क्षेत्रीय कार्यालय, 143, स्टर्लिंग रोड, नुम्ब्याक्कम में किया जाएगा। हितधारकों (नियोजकों, कर्मचारियों और लाभार्थियों) से अनुरोध है कि, वे अपनी शिकायतों का निवारण करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। उक्त बैठक में हितधारकों के सुझावों और शिकायतों पर चर्चा की जाएगी।

टीवीएस सल्लाई चैन ने अंतरिक्ष, रक्षा क्षेत्र में प्रवेश के लिए एएलए ग्रुप के साथ बनाया संयुक्त उद्यम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मुंबई। टीवीएस सल्लाई चैन सॉल्यूशंस (एससीएस) ने इटली के एएलए ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम का गठन कर अंतरिक्ष क्षेत्र और रक्षा आपूर्ति शृंखला बाजार में प्रवेश की बृहस्पतिवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि इस साझेदारी से वर्ष 2031 तक 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का संयुक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है। बयान के मुताबिक, संयुक्त उद्यम में दोनों की हिस्सेदारी 51:49 के अनुपात में होगी। यह शुरूआत में भारत में अवसर पर केंद्रित रहेगा, जबकि टीवीएस एससीएस और एएलए समय के साथ चयनित

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अंतरिक्ष तथा रक्षा आपूर्ति शृंखला आवश्यकताओं के समर्थन के अवसरों का आकलन करते रहेंगे। कंपनी ने बताया कि यह संयुक्त उद्यम घरेलू अंतरिक्ष तथा रक्षा क्षेत्र में अवसरों को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण एकीकृत आपूर्ति शृंखला समाधान में विशेषज्ञता हासिल करेगा। टीवीएस सल्लाई चैन के अध्यक्षों ने कहा कि दोनों साझेदारों ने इस वर्ष की शुरूआत में शुरूआती समझौता किया था, जिसके बाद अंतरिक्ष तथा रक्षा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न उद्योग प्रतिभागियों के बीच मजबूत रुचि और सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

तमिलनाडु में 18,600 करोड़ रुपये का निवेश करेगी एलएंडटी, समझौते पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



चेन्नई। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने तमिलनाडु सरकार के साथ 18,600 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन परियोजनाओं के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर बृहस्पतिवार को हस्ताक्षर किए। इससे 8,000 से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है।

आधिकारिक विज्ञापित के अनुसार, एलएंडटी और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने सचिवालय में इस पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और एलएंडटी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस. एन. सुब्रह्मण्यन भी उपस्थित रहे।

विजय के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद यह पहला औद्योगिक समझौता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु में एलएंडटी की भविष्य की वृद्धि एवं विस्तार

योजनाओं के लिए राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग और निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। कांचीपुरम जिले में डेटा सेंटर विस्तार, कोयंबटूर में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल सिस्टम विनिर्माण इकाई की स्थापना और कडुपल्ली में एलएंडटी शिपपार्क के विस्तार से जुड़ी तीन परियोजनाएं राज्य में शुरू की जाएंगी। विज्ञापित के अनुसार, 15,000 करोड़ रुपये के निवेश वाली डेटा सेंटर विस्तार परियोजना से लगभग 500 नौकरियां सृजित होंगी। कोयंबटूर में 2,500 करोड़ रुपये के निवेश वाली इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल सिस्टम विनिर्माण परियोजना से लगभग 2,000 नौकरियां उत्पन्न होंगी। इसी प्रकार, 1,100 करोड़ रुपये के निवेश से कडुपल्ली एलएंडटी शिपपार्क विस्तार से लगभग 5,000 नौकरियां सृजित होंगी। इसमें कहा गया कि वे बहु-क्षेत्रीय निवेश मुख्यमंत्री के 2036 तक तमिलनाडु की अर्थव्यवस्था को 150 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।



चेन्नई डिवीजन में संभागीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति (डीआरयूसी) की हुई बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिणी रेलवे के चेन्नई डिवीजन की संभागीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति (डीआरयूसी) की 160वीं बैठक 4 जून को संभागीय रेलवे प्रबंधक के कार्यालय में चेन्नई डिवीजन के संभागीय रेलवे प्रबंधक शंभेर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में अंकुर चौहान और डॉ. आई. सैथिल कुमार, अतिरिक्त मंडल रेलवे प्रबंधक, शिव कुमार प्रसाद, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति) और चेन्नई मंडल के वरिष्ठ शाखा अधिकारी

उपस्थित थे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक और सचिव एम. भरत कुमार, डीआरयूसीसी ने सदस्यों के बीच बैठक में कुल 14 डीआरयूसीसी सदस्यों ने भाग लिया, जो विभिन्न वाणिज्य और उद्योग मंडलों, पंजीकृत यात्री संघों, उपभोक्ता स्वैच्छिक संगठनों, तमिलनाडु दिव्यांग संघ, दक्षिणी रेलवे के महाप्रबंधक के नामित प्रतिनिधियों, संसद सदस्यों के नामित प्रतिनिधियों और रेलवे बोर्ड द्वारा नामित विशेष हित श्रेणी के प्रतिनिधियों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। अपने अध्यक्षीय भाषण में, संभागीय रेलवे प्रबंधक ने यात्री सुविधाओं, अवसरवत् विकास, परिचालन दक्षता और ग्राहक सेवा

के क्षेत्रों में चेन्नई संभाग द्वारा हासिल की गई महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला। संभाग की प्रमुख उपलब्धियों, अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशन पुनर्विकास कार्यों, क्षमता संवर्धन परियोजनाओं, यात्री-केंद्रित पहलों और चल रहे अवसरवत् विकास कार्यों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। संवादात्मक सत्र के दौरान, सदस्यों ने यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और आराम में सुधार लाने के उद्देश्य से कई मूल्यवान सुझाव दिए। उदाए गए प्रमुख मुद्दों में स्टेशनों पर लिफ्ट और एस्केलेटर की व्यवस्था, बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त ईएमयू सेवाओं की शुरूआत, एक्सप्रेस

ट्रेनों के लिए अतिरिक्त स्टॉपेज, सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाना, ट्रेनों और स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों की तैनाती बढ़ाना, पार्किंग सुविधाओं में सुधार और स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं की योग्यता के आधार पर जांच की जाएगी और यात्रियों की सुरक्षा, आराम और समय यात्रा अनुभव को बढ़ाने के लिए चेन्नई डिवीजन की प्रतिबद्धता को दोहराया। चेन्नई डिवीजन के वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) नवंगोपाल आर द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक का समापन हुआ।

तिरुपरनकुंठम दीपम विवाद : अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के अनुरोध वाली याचिका खारिज

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है, जिसके तहत उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी गई थी, जिन्होंने हिंदू श्रद्धालुओं को तिरुपरनकुंठम पहाड़ी पर कार्तिकेय दीपम जलाने की अनुमति नहीं दी थी, लेकिन रमजान के दौरान धार्मिक समारोहों के आयोजन की इजाजत दे दी थी। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय की मद्रास पीठ के आदेश में हस्तक्षेप का अनुरोध ठुकरा दिया, लेकिन याचिकाकर्ता 'हिंदू धर्म परिसर' पर लागू हुए जुर्माने की राशि घटा दी।

पीठ ने दो जून को पारित आदेश में कहा, हम उच्च न्यायालय की ओर से पारित आदेश में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं, लेकिन हमारा मानना है कि 50,000 रुपये का जुर्माना बहुत ज्यादा है और मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों को देखते हुए इसे घटाकर 5,000 रुपये किया जा सकता है। तदनुसार आदेश दिया जाता है। पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय के आदेश का बाकी हिस्सा अपरिवर्तित रहेगा। इस स्पष्टीकरण के साथ विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है।



गर्मी की छुट्टियों के बाद तमिलनाडु में स्कूल खुले

पहली कक्षा से तीसरी कक्षा तक नया पाठ्यक्रम लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में गर्मी की छुट्टियों के बाद बृहस्पतिवार को स्कूल फिर से खुल गए। नए शैक्षणिक सत्र से पहली कक्षा से तीसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए नया पाठ्यक्रम लागू किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूलों के पुनः खुलने से पहले स्वच्छता, पेयजल सुविधा, परिवहन व्यवस्था और परिसर की समग्र तैयारियों की समीक्षा की थी। एक आधिकारिक विज्ञापित में कहा गया है कि मुख्य शैक्षणिक अधिकारियों (सीईओ) और जिला शैक्षणिक अधिकारियों (डीईओ) को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि स्कूल खुलने से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं और विद्यार्थियों के कल्याण, सुरक्षा तथा सुविधा के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की जाएं।

राज्य सरकार ने कहा है कि वह इस वर्ष भी स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त बस पास योजना जारी रखेगी। सरकार के अनुसार, निःशुल्क बस पास जारी करने में लगने वाले समय को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर आने-जाने पर बिना किराया दिए सरकारी बसों में यात्रा करने की अनुमति दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में वर्तमान में 45,000 से अधिक स्कूल संचालित हो रहे हैं, जिनमें सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और स्वयंसेवा संचालित संस्थान शामिल हैं। इन स्कूलों में 1.3 करोड़ से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के साथ स्कूलों में विद्यार्थियों का स्वागत किया गया और कई स्थानों पर विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

द्रमुक को लोकसभा में कांग्रेस से अलग बैठने की मंजूरी मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रमुक को बुधवार को लोकसभा में अपनी पूर्व सहयोगी कांग्रेस से अलग बैठने की मंजूरी मिल गई। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। दोनों दलों में हाल में तब दूरी बढ़ गई थी जब द्रमुक ने हाले वाली 'इंडि' गठबंधन तमिलनाडु में टीवीके नीत सरकार का हिस्सा बन गई। पिछले महीने, द्रमुक ने लोकसभा में अपने सांसदों के बैठने की व्यवस्था में बदलाव की मांग की थी। इसने कहा था कि कांग्रेस के साथ उसका गठबंधन समाप्त हो गया है और उसके सदस्यों का कांग्रेस के सदस्यों के साथ बैठना उचित नहीं होगा। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि द्रमुक को लोकसभा सचिवालय द्वारा लोकसभा में अलग बैठने की मंजूरी दे दी गई है। सूत्रों के अनुसार, द्रमुक के सांसदों के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था पर काम किया जा रहा है। द्रमुक नेता कनिमोई करुणानिधि ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा था कि बदले राजनीतिक हालात के मद्देनजर उनकी पार्टी के सांसदों के लिए कांग्रेस सांसदों से अलग बैठने की व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके साथ ही, द्रविड़ मुनेत्र कणम (द्रमुक) के 8 जून को यहां होने वाली 'इंडि' गठबंधन बैठक में शामिल होने की भी संभावना नहीं है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में केवल पांच सीट जीतने वाली कांग्रेस ने सरकार गठन में टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया, जिससे उसका पुरानी सहयोगी द्रमुक के साथ गठबंधन समाप्त हो गया। अब कांग्रेस टीवीके सरकार का हिस्सा है। कांग्रेस ने द्रमुक के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन के तहत विधानसभा चुनाव लड़ा था। कांग्रेस के इस कदम को द्रमुक के वरिष्ठ नेताओं ने पीठ में 'छुरा घोषण' वाला और 'विश्वासघात' करार दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए अंतर-राज्यीय और वैश्विक सहयोग बढ़ाना जरूरी: माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए अंतर-राज्यीय और वैश्विक सहयोग बढ़ाने का बृहस्पतिवार को आह्वान किया। माझी पुणे में ब्रिक्स आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह (डीआरआरजी) की तकनीकी बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे, जिसमें उन्होंने आपदा से निपटने की क्षमता बढ़ाने, जलवायु अनुकूलन और सतत विकास के प्रति ओडिशा की प्रतिबद्धता दोहराई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की

ओर से आयोजित तीन दिवसीय बैठक में ब्रिक्स समूह के 11 सदस्य देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। माझी ने बैठक को वैश्विक आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा कि बैठक का विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' है, जो अधिक सहयोग के जरिये जीवन, आजीविका और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अंतरराष्ट्रीय समुदाय की तत्काल प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालता है। माझी ने कहा, आपदा जोखिम न्यूनीकरण अब केवल क्षेत्रीय ष्टिता का विषय भर नहीं है, बल्कि सतत विकास, आर्थिक स्थिरता और मानव सुरक्षा सुनिश्चित करने की आधारशिला भी है।



रक्षा मंत्री ने संचालन दक्षता बढ़ाने के लिए फील्ड कमांडरों की वित्तीय सीमा दोगुना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को सैन्य संचालन दक्षता को मजबूत करने और अनुबंधों को शीघ्रता से पूरा करने के साथ-साथ परियोजनाओं के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए 'फील्ड कमांडरों' की वित्तीय शक्तियों में दोगुना बढ़ाव करने की मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थलसेना, वायुसेना और नौसेना के कमांडरों को सीपी गेज विशेष वित्तीय शक्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है तथा तत्काल संचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रदान की गई कुल सीमा में 100 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। वित्तीय शक्तियों में वृद्धि के अलावा, सेना के तीनों अंगों की संयुक्त खरीद को बढ़ावा देने के लिए नये प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिसमें सामान्य खरीद की तुलना में अधिक अधिकार दिये गए हैं। मंत्रालय ने कहा, "वस्तुओं और सेवाओं की

खरीद को विकेंद्रीकृत करने के लिए कई नये सक्षम वित्तीय प्राधिकरणों की स्थापना की गई है।" रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में 'रक्षा सेवाओं के लिए वित्तीय शक्तियों के हस्तांतरण' संबंधी संशोधित नियमावली जारी की। मंत्रालय ने कहा, "वित्तीय शक्तियों में 100 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है, और कुछ मामलों में तो यह वृद्धि दोगुनी से भी अधिक है। इससे फील्ड कमांडरों की संचालन दक्षता और मजबूत होगी। इससे अनुबंधों को शीघ्रता से संपन्न करने तथा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।" मंत्रालय ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण और अनुसंधान एवं विकास के लिए आवंटित वित्तीय शक्तियों को दोगुना कर दिया गया है ताकि विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता कम करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सके। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्तीय शक्तियों के संशोधित हस्तांतरण से चालू वर्ष के बजटीय आवंटन के अनुसार राजस्व मात्र से 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीद में मदद मिलेगी।

बिहार : राबड़ी आवास विवाद को लेकर राजग सरकार पर बरसे तेज प्रताप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री और अपनी मां राबड़ी देवी के सरकारी आवास को एक मंत्री को आवंटित किए जाने के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को बिहार सरकार पर निशाना साधा। जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने यह भी मांग की कि राज्य की राजधानी में सरकारी बंगलों में रह रहे अन्य पूर्व मुख्यमंत्रियों

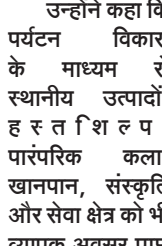
नीतीश कुमार और जीतन राम मांझी को भी इसी तरह के नोटिस जारी किए जाएं। यादव ने 'पीटीआई-वीडियो' से बातचीत में कहा, "यदि राबड़ी देवी जी को 10, सकुंलर रोड स्थित बंगला खाली करने के लिए राज्य सरकार ने 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है, तो पटना में सरकारी बंगलों में रह रहे अन्य पूर्व मुख्यमंत्रियों नीतीश कुमार जी और जीतन राम मांझी जी को भी ऐसे ही नोटिस दिए जाने चाहिए। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उमेश कुशवाहा से भी मकान खाली करने को कहा जाना चाहिए, जो पटना में सरकारी बंगले में रह रहे हैं।" राबड़ी देवी जिस सरकारी बंगले में रह रही हैं, उसे खाली करने से उनके इनाकार के बाद विवाद खड़ा हो गया है। यह आवास अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है।

'पर्यटन को सांस्कृतिक पुनर्जागरण और रोजगार सृजन से जोड़कर आगे बढ़ाएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि पर्यटन विकास को केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित न रखकर उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़ते हुए आगे बढ़ाया जाना चाहिए। राज्य सरकार की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को

नई गति देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास के माध्यम से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।



आदित्यनाथ ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी होनी चाहिए जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार के अवसर बढ़ाए और पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करे। उन्होंने पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा करते हुए



उत्तर प्रदेश को निवेश, नवाचार और अनुभव-आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े 'ज्ञान भारत मिशन' की समीक्षा करते हुए कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि इनका संरक्षण और डिजिटलीकरण केवल अभिलेखीकरण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को

अपनी जड़ों से जोड़ने का भी माध्यम है। बयान के अनुसार, बैठक में नीम करोली बाबा सफ़िक और बुदेलखंड फोटो सफ़िक के रूप में नए पर्यटन क्षेत्रों के विकास पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने आगरा में निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय, लखनऊ में नव-लोकप्रिय 'नौसेना शौर्य वाटिका' और निर्माणाधीन आइएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय, नैनिहार के समग्र विकास, मिर्जापुर-विंध्याचल क्षेत्र के लिए तैयार किए जा रहे एकीकृत मास्टर प्लान तथा चित्रकूट स्थित प्राचीन सोमनाथ मंदिर के संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की भी समीक्षा की।

चंद्रनाथ रथ हत्याकांड : वांछित गैंगस्टर ने बलिया की अदालत में आत्मसमर्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा आरोपियों की तलाश के लिए चलाये गये अभियान के बीच एक वांछित गैंगस्टर ने बृहस्पतिवार को एक स्थानीय अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोनु ने बलिया की एक अदालत के सामने एक पुराने मामले में आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजते हुए मजिस्ट्रेट न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया। बांसडीह रोड थानाध्यक्ष वंश बहादुर सिंह ने बताया कि सिंह पर 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में भी वांछित था। उन्होंने बताया कि साल 2023 में

बांसडीह रोड थाने में सिंह के खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया गया था। सिंह के वकील कैश सिंह ने बताया कि गैंगस्टर अदालत के न्यायाधीश हरेश कुमार ने ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। उन्होंने बताया कि अदालत ने 25 मई को सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था क्योंकि वह इस मामले में अदालत के सामने पेश नहीं हुआ था। अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि सीबीआई के अधिकारी सिंह पर आत्मसमर्पण करने के लिए लगातार दबाव बना रहे थे और जांच के सिलसिले में हाल ही में उन्होंने सिंह के घर से सीसीटीवी फुटेज भी जब्त की थी। इस बीच, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की पत्नी महिमा सिंह ने कहा कि उसका पति निर्दोष है। महिमा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मेरे पति को हत्या के झूठे मामले में फंसाया गया है। हमें सीबीआई पर पूरा भरोसा है और हमें न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है।

बिहार के पुलों का नियमित सुरक्षा ऑडिट और निरीक्षण सुनिश्चित करें अधिकारी : समाट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री

समाट चौधरी ने बृहस्पतिवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुलों का विशेषज्ञों के माध्यम से नियमित सुरक्षा ऑडिट (सेफ्टी ऑडिट) और निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री सड़क निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के बयान के अनुसार, चौधरी ने कहा कि सड़क और पुल निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "लोगों को सुरक्षित, सुगम और उच्च गुणवत्ता वाला सड़क संपर्क उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।" मुख्यमंत्री ने सड़क एवं पुल निर्माण तथा उनके रखरखाव के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जानी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने मुंगेर-बड़ियापुर-घोरघाट-सुलतानगंज-भागलपुर-सबौर फोरलेन गा पथ परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की। यह परियोजना 'हाइब्रिड एन्वुटी मॉडल' (एचएएम) के तहत क्रियान्वित की जाएगी। चौधरी ने कहा कि इस परियोजना से पूर्वी बिहार में संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी तथा क्षेत्र के आर्थिक विकास और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में बिहार के पथ निर्माण मंत्री कुमार शैलेन्द्र, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रवृत्त अमृत, सड़क निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



बिहार के पुलों का नियमित सुरक्षा ऑडिट और निरीक्षण सुनिश्चित करें अधिकारी : समाट चौधरी

मथुरा में बच्ची को अगवा कर श्मशान में उसके साथ किया गया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जनपद के एक गांव में एक युवक अपनी मां के पास सो रही एक बच्ची को कथित तौर पर उठाकर श्मशान ले गया और कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि बेहोश हो जाने पर बच्ची को वहीं छोड़कर वह भाग गया तथा बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। छाता क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक भूपण वर्मा ने बताया कि बुधवार रात एक युवक खिड़की तोड़कर घर घुस गया और मां के पास सो रही सात साल की बच्ची को उठाकर ले गया। वर्मा के अनुसार बच्ची हल्ला न मचा पाए इसके लिए आरोपी ने उसका हाथ से बंद कर दिया। इस दौरान उसका पिता एवं परिवार के अन्य सदस्य दूरसे कमरे में सो रहे थे। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि तड़के चार बजे जब उसकी मां जंगी तो उसने बच्ची को गायब पाया तथा काफी दूढ़ने के बाद बच्ची श्मशान में बेहोश पड़ी मिली। वर्मा के अनुसार हांश में आने पर बच्ची ने मांबाप को बताया कि राहुल उसे जबर्जस्ती उठा ले गया और उसके साथ गंदा काम किया।

राहुल गांधी भारत की स्थिरता और सुरक्षा के खिलाफ काम कर रहे हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस दावे पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक साल के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पद पर नहीं रहेंगे। भाजपा ने राहुल पर देश में अस्थिरता पैदा करने के लिए दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। सत्तारूढ़ पार्टी ने यह भी कहा कि देश में अब तक केवल एक बार आपातकाल लगाया गया था और वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया था कि मोदी एक साल के



मानसिकता को दर्शाती हैं। पूनावाला ने एक वीडियो बयान में कहा, "राहुल गांधी ऐसे परिवार से आते हैं, जिसका इतिहास आपातकाल से जुड़ा रहा है। इसलिए उन्हें लगता है कि हर कोई आपातकाल लगाने वाला है। भारत में संविधान को केवल एक बार कुचला गया था और वह इंदिरा गांधी ने किया था। उन्होंने जिस तरह संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया और उनमें हस्तक्षेप किया, वह सर्वविदित है।" भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि वारसत्तिक 'आपातकाल' कांग्रेस पार्टी के भीतर है। उन्होंने कहा, "लोकतंत्र के ऊपर वंशवाद को रखने वाले राहुल आज भी हर जगह आपातकाल देखते हैं। एक तरह का आपातकाल जरूर है, लेकिन वह कांग्रेस के भीतर है।"



भाजपा ने राहुल पर देश में अस्थिरता पैदा करने के लिए दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। सत्तारूढ़ पार्टी ने यह भी कहा कि देश में अब तक केवल एक बार आपातकाल लगाया गया था और वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया था कि मोदी एक साल के

मुख्यमंत्री संगमा ने अमित शाह के समक्ष आईएलपी, खासी और गारो भाषा की मान्यता का मुद्दा उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। मेघालय सरकार ने खासी और गारो भाषाओं की संवैधानिक मान्यता और आईएलपी के लिए अपने प्रयासों को फिर से तेज कर दिया है और मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने बृहस्पतिवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष इन मुद्दों को उठाया। यहां उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) की 73वीं पूर्ण बैठक के दौरान प्रस्तुत ज्ञापन में राज्य सरकार की चार प्रमुख विंताओं को उठाया गया जिनमें अवैध प्रवासन, संविधान की आठवीं अनुसूची और 'इन लाइन परमिट' (आईएलपी) जैसे उपायों का सुझाव दिया है, जिनके लिए राज्य विधानसभा पहले ही प्रस्ताव पारित कर चुकी है, ताकि लोगों के प्रवेश को विनियमित किया जा सके और अवैध प्रवासन पर रोक लगाई जा सके। मुख्यमंत्री ने संविधान



की आठवीं अनुसूची में खासी और गारो भाषाओं को शामिल करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि इस तरह की मान्यता राज्य के स्वदेशी समुदायों की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने, बढ़ावा देने और मजबूत करने में मदद करेगी। छठी अनुसूची के मुद्दे पर संगमा ने केंद्र से अनुरोध किया कि प्रस्तावित संशोधनों पर आगे बढ़ने से पहले सभी संबंधित राज्यों के साथ परामर्श किया जाये।



मुख्यमंत्री संगमा ने अमित शाह के समक्ष आईएलपी, खासी और गारो भाषा की मान्यता का मुद्दा उठाया

एक और विश्व खिताब के साथ मेस्सी युग को विदा कहना चाहेगा अर्जेटीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्यूनस आयर्स/एपी। अमेरिका में पिछली बार 1994 में जब फुटबॉल विश्व कप हुआ था तब ग्रुप चरण के दूसरे मैच के बाद डिगो माराडोना को डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाये जाने के बाद टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। अर्जेटीना फुटबॉल टीम की अमेरिका की यादें सुखद नहीं हैं चूंकि उसके बाद माराडोना फिर विश्व कप नहीं खेल सके और उनकी टीम अंतिम 16 से बाहर हो गई।

बाईस बरस बाद अब अर्जेटीना को उम्मीद है कि माराडोना के वारिस माने जाने वाले लियोनेल मेस्सी विश्व कप में अमेरिकी संरक्षी पर उन कड़वां यादों को जीत के जश्न में बदलेंगे। इस महीने 39 वर्ष के होने जा रहे मेस्सी का यह



मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में आग से पांच की मौत, मुख्यमंत्री समेत कई नेताओं ने बताया शोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरपुर (बिहार)/भाषा। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के हपुरा थानाक्षेत्र में एक निजी अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में बृहस्पतिवार तड़के भीषण आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के शांका कुमार, कृष्णानंद सिंह और गीता देवी, शिवहर जिले के उदय कुमार तथा सीतामढ़ी जिले की चंचला वर्मा के रूप में हुई है। नगर आयुक्त ऋतुराज सिंह ने कहा, "अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।" इससे पहले, मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया था कि सुबह घटना की सूचना मिलने पर मृतकों की संख्या तीन थी। उन्होंने बताया कि

आईसीयू में लगभग 13 से 15 मरीजों का इलाज चल रहा था, जिन्हें उनके परिजन अन्य अस्पतालों में ले गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा, "हम मरीजों के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं। आग पर काबू पा लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।" 'प्रसाद अस्पताल' के प्रशासन के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर आंशका है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी और तेजी से फैल गई, जिससे आईसीयू में धुआं भर गया एवं मरीजों को बाहर निकालने में काफी कठिनाई हुई। लापरवाही के सवाल पर नगर आयुक्त ऋतुराज सिंह ने पत्रकारों से कहा कि जिलाधिकारी ने मामले की गहन जांच के लिए अपर समाहर्ता (एडीएम), अनुमंडल अधिकारी (एसडीएम), अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) एवं अन्य अधिकारियों की पांच सदस्यीय टीम गठित की है। उन्होंने कहा, "जांच दल की रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आग लगने की वास्तविक वजह क्या थी।"

मुजफ्फरपुर (बिहार) में मुजफ्फरपुर जिले के हपुरा थानाक्षेत्र में एक निजी अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में बृहस्पतिवार तड़के भीषण आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के शांका कुमार, कृष्णानंद सिंह और गीता देवी, शिवहर जिले के उदय कुमार तथा सीतामढ़ी जिले की चंचला वर्मा के रूप में हुई है। नगर आयुक्त ऋतुराज सिंह ने कहा, "अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।" इससे पहले, मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया था कि सुबह घटना की सूचना मिलने पर मृतकों की संख्या तीन थी। उन्होंने बताया कि



सोनोवाल, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के बीच 19,209 करोड़ रुपए की निवेश योजना पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

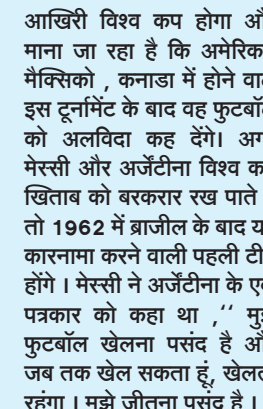
कोलकाता/भाषा। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी से मुलाकात की और राज्य को वर्ष 2031 तक पूर्वी भारत का प्रमुख समुद्री, लॉजिस्टिक और जहाज विनिर्माण केंद्र बनाने के उद्देश्य से 19,209 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश पर चर्चा की। करीब डेढ़ घंटे चली यह बैठक मई में राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद केंद्र के पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच पहली औपचारिक बैठक थी। मंत्रालय के बयान के अनुसार, प्रस्तावित परियोजनाओं से 62,500 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। साथ ही राज्य में

बंदरगाह, अंतर्देशीय जलमार्ग, जहाज विनिर्माण, लॉजिस्टिक और पोर्ट-आधारित औद्योगिकीकरण को मजबूती मिलेगी। 'मैरीटाइम अमृत काल विजन 2047' के तहत तैयार इस निवेश योजना में बालागंज में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक केंद्र का विकास, कोलकाता और हल्द्विया बंदरगाहों का विस्तार और उनका आधुनिकीकरण, अंतर्देशीय जलमार्ग को मजबूत करना, जहाज विनिर्माण और मरम्मत के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण, क्रूज पट्टन के लिए ढांचे का विकास, नदी किनारों का पुनर्विकास तथा बंदरगाहों से जुड़े औद्योगिक क्षेत्रों का विकास शामिल है। सोनोवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल भारत के समुद्री भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और लगभग 19,209 करोड़ रुपए के निवेश के जरिए कोलकाता और हल्द्विया को पूर्वी भारत का प्रमुख समुद्री प्रवेश द्वार बनाया जाएगा।



सोनोवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल भारत के समुद्री भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और लगभग 19,209 करोड़ रुपए के निवेश के जरिए कोलकाता और हल्द्विया को पूर्वी भारत का प्रमुख समुद्री प्रवेश द्वार बनाया जाएगा।

कई बार अपने बच्चों को वीडियो गेम में भी जीतने नहीं देता। यह मेरा स्वभाव है और इसी के बल पर मैंने इतना कुछ पाया है। बार्सिलोना, पेरिस सेंट जर्मेन और इंटर मियामी के लिये करीब दो दशक तक खेल चुके मेस्सी का शरीर अब थकने लगा है। रिकार्ड छठी बार विश्व कप खेलेने से पहले वह जांच की मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे थे। इसकी वजह से इंटर मियामी के आखिरी मैच के दौरान उन्हें मैदान से जाना पड़ा।



आखिरी विश्व कप होगा और माना जा रहा है कि अमेरिका, मैक्सिको, कनाडा में होने वाले इस टूर्नामेंट के बाद वह फुटबॉल को अलविदा कह देंगे। अगर मेस्सी और अर्जेटीना विश्व कप खिताब को बरकरार रख पाते हैं तो 1962 में ब्राजील के बाद यह कारनामा करने वाली पहली टीम होगी। मेस्सी ने अर्जेटीना के एक पत्रकार को कहा था, 'मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है और जब तक खेल सकता हूँ, खेलाता रहूँगा। मुझे जीतना पसंद है। मैं

सुविचार

आज की मेहनत, कल का सुकून है। खुद को आज तपने दो, कल चमकना तय है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इंटरनेट युग के ढोंगी

मथुरा में एक कथित प्रवचनकर्ता बाबा द्वारा कई युवतियों से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का मामला सिर्फ एक शख्स के अपराधों की कहानी नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई ढोंगी पकड़े गए हैं, जो साधु का पवित्र वेश धारण कर अनैतिक कर्म कर रहे थे। मथुरा से पकड़े गए शख्स का मामला इसलिए चौंकाता है, क्योंकि आरोपी बहुत मेधावी छात्र रहा है। वह आईआईटी उत्तीर्ण करने के बाद एक कंपनी में उच्च वेतन पर नौकरी कर चुका है। उसे तकनीक की बहुत अच्छी जानकारी है, जिसका इस्तेमाल उसने अपना जाल फैलाने में किया। उसने इंटरनेट के जरिए प्रवचन दिए और अपना साम्राज्य बनाया। उसे इसमें कामयाबी मिलनी शुरू हुई थी कि मामला यौन शोषण के आरोपों तक जा पहुंचा। धर्म तो आत्मज्ञान का मार्ग दिखाता है। जो व्यक्ति सच्ची भक्ति में लीन रहता है, उसका मन सांसारिक प्रलोभनों से दूर हो जाता है। उसे किसी तरह का साम्राज्य खड़ा करने की कामना नहीं होती। वह दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग जैसे धिनीने कृत्यों की कल्पना तक नहीं कर सकता। अगर कोई व्यक्ति ऐसे कुकृत्य करता है तो उसका धर्म से कोई संबंध नहीं है। वह मनुष्य कहलाने के योग्य भी नहीं है। हमारे पूर्वजों ने इसीलिए कहा था- 'पापी पीओ छाण, गुरु बणाओ जाण' अर्थात् पानी पीना हो तो उसे पहले छानें, ताकि वह स्वच्छ हो जाए और किसी को गुरु बनाना हो तो उसे पहले जानें, परखें। यदि उसमें उचित गुण पाएँ तो ही उसे गुरु स्वीकार करें। जो व्यक्ति खुद को सचसे बड़ा जानी, सर्वशक्तिमान बताए, बड़ी-बड़ी डींगें हों, हमेशा धन इकट्ठा करने में दिव्यशक्ति लेता रहे और जिसका चरित्र अच्छा न हो, ऐसे व्यक्ति से तुरंत दूर चले जाने में भलाई है।

दूसरों को प्रवचन देने से पहले उन्हें अपने जीवन में उतारना चाहिए। इसके लिए अध्ययन, मनन और चिंतन करना पड़ता है। गुरु के मार्गदर्शन में तपस्या करनी होती है। हमारे देश में रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद जैसे महान संत हुए हैं।

अन्याथा भविष्य में पछताना पड़ सकता है। दूसरों को प्रवचन देने से पहले उन्हें अपने जीवन में उतारना चाहिए। इसके लिए अध्ययन, मनन और चिंतन करना पड़ता है। गुरु के मार्गदर्शन में तपस्या करनी होती है। हमारे देश में रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद जैसे महान संत हुए हैं। उन्होंने तपस्या का मार्ग अपनाया था। उसके बाद वे पूजनीय हुए थे। अब इंटरनेट ने उन लोगों के लिए काफी आसानी पैदा कर दी है, जो भक्ति और तपस्या करना नहीं चाहते। वे कैमरे के सामने स्क्रिप्ट बांध लेते हैं। एआई की मदद से अच्छा वीडियो तैयार कर लेते हैं। फिर उसके जरिए अपना माहौल बनाने निकल पड़ते हैं। चूंकि उनके मन में न तो असली वैराग्य होता है, न उन्हें भक्ति की समझ होती है और न ही विषय-वासनाओं से कोई विरक्ति होती है, इसलिए एक थोड़ी-सी कामयाबी मिल जाती है तो सारी हदें पार कर देते हैं। वे जितनी तेजी से उभरते हैं, उतनी ही तेजी से पतन को प्राप्त होते हैं। उनके अनुयायियों को तब बड़ा झटका लगता है, जब कच्चा चिट्ठा खुलकर सामने आता है। जब किसी ढोंगी का नकली आभामंडल टूट जाता है, तब कुछ लोगों को धर्म पर सवाल उठाने का मौका मिल जाता है। वे सभी साधु-संतों को एक जैसा मानकर टीका-टिप्पणी करने लगते हैं। यह अनुचित है। सभी लोग एक जैसे नहीं हो सकते। किसी एक व्यक्ति के कृत्यों के आधार पर सबको उसी श्रेणी में खड़ा कर देना उन सबके साथ अन्याय है। आज भी देश में ऐसे संत हैं, जो बहुत अनुशासित रहकर जनकल्याण कर रहे हैं। वे मान-अपमान से कोसों दूर रहते हैं। उन्हें धन-संपदा का डेर डिंगा नहीं सकता। वे खुद को भक्तिमार्ग का एक पथिक ही समझते हैं। करोड़ों लोग ऐसे संतों से प्रेरणा लेते हैं। उनका यश अमर रहता है।

ट्वीटर टॉक

योग का रेगुलर अभ्यास शरीर को स्वस्थ और मन को शांत रखता है। इसे अपने डेली रूटीन में शामिल करने से जीवन संतुलित और एनर्जेटिक बनता है। झंझुरयोग से मन की गंदगी धीरे-धीरे दूर होती है; वाणी से शरीर की गंदगी दवा से साफ होती है।

-दिया कुमारी

बूंदी संसदीय क्षेत्र में नागरिकों की सुविधाओं को बढ़ाने की कोशिशों के तहत पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। इस सेंटर के शुरू होने से बूंदी और आस-पास के इलाकों के लोगों को पासपोर्ट से जुड़ी सेवाओं के लिए अब दूसरे शहरों में जाने की जरूरत नहीं होगी।

-ओम बिरला

मुझे श्रुंगेरी के पवित्र स्थान पर श्री भारती तीर्थ महासन्निधान और परम पावन जगद्गुरु श्री विधुशेखर भारती सन्निधान का दिव्य आशीर्वाद पाकर सचमुच बहुत खुशी हुई। उनकी बुद्धि, कृपा और आध्यात्मिक मार्गदर्शन देश भर में लाखों लोगों को प्रेरित करते रहते हैं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

पूजनीय कौन

एक मंदिर में स्थापित प्रस्तर प्रतिमा पर चढ़ाए गए पुष्प ने क्रोधित होकर पुजारी से कहा, तुम प्रतिदिन इस प्रस्तर प्रतिमा पर मुझे चढ़ाकर इसकी पूजा करते हो। यह मुझे कदाई पसंद नहीं है। पूजा भेरी होनी चाहिये क्योंकि मैं कोमल, सुंदर, सुवासित हूँ। यह तो मात्र पत्थर की मूर्ति है। मंदिर के पुजारी ने हँसते हुए कहा, हे पुष्प, तुम कोमल, सुंदर, सुवासित अवश्य हो पर तुम्हें ईश्वर ने ऐसा बनाया है। ये गुण तुम्हें सहजता से प्राप्त हुए हैं। इनके लिये तुम्हें कोई श्रम नहीं करना पड़ा है। पर देवत्व प्राप्त करना बड़ा कठिन काम है। इस देव प्रतिमा का निर्माण बड़ी कठिनाई से किया जाता है। एक कठोर पत्थर को देव प्रतिमा बनाने के लिये हजारों चोटें व पड़ी सहनी पड़ती है। चोट लगते ही अगर वह टूट कर बिखर जाता तो शायद वह कभी देव प्रतिमा नहीं बन सकता था। एक बार ग कठोर पत्थर देव प्रतिमा में ढल जाए तो लोग उसे बड़े आदर भाव से मंदिर में स्थापित कर प्रतिदिन उसकी पूजा अर्चना करते हैं। इस प्रस्तर की सहनशीलता ने ही इसे देव प्रतिमा के रूप में पूजनीय तथा वंदनीय बना दिया है। यह सुनकर पुष्प मुस्कुरा दिया। यह समझ गया कि कठिन परीक्षा को सफलता पूर्वक पार करनेवाला ही देवत्व प्राप्त करता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor: Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act). Group Editor - Shreekrant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No. RNI No.: TNHM / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वार्ता, हँडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबन्धता या धमकाविक का व्यव करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उपायों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकाना को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बर्ना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सामयिक

ताश के पत्तों की तरह ढहने लगा स्ट्रीट फाइटर का किला

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी देशभर में स्ट्रीट फाइटर के रूप में जानी जाती हैं। आश्चर्य है उनकी आँखों के सामने उनकी पार्टी टीएमसी बिखराव के कगार पर पहुँच गई है। जिस तरह ताश के पत्तों का महल एक झटके में ढह जाता है, ठीक उसी तरह ममता बनर्जी की टीएमसी का किला ध्वस्त होने की कगार पर है। ममता ने 2011 में वामपंथियों के गढ़ कहे जाने वाले बंगाल को उनसे छीनकर टीएमसी का झंडा लहराया था। आज ममता का किला भी एक पूर्व वामपंथी ने ढहा दिया है। टीएमसी में बगावत की अगुवाई करने वाले विधायक ऋतब्रत बनर्जी कभी मार्क्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी के नेता थे। ऋतब्रत अपनी पार्टी छोड़कर ममता के साथ हो गए थे। बाद में वामपंथी तीन तरह हो गए। आज उसी पूर्व कम्युनिष्ट नेता ने टीएमसी के 80 विधायकों में से लगभग 60 को अपने पाले में लेकर ममता का चीर हरण कर लिया। बगावती गुट ने खुद को असली टीएमसी बताकर विपक्ष के नेता का पद भी हासिल कर लिया। विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बसु ने बागी विधायकों की ओर से सोंपे गए समर्थन पत्र को स्वीकार करते हुए विपक्ष के नेता के लिए आर्गेंटि कक्ष की चाबी ऋतब्रत को सौंप दी। ममता बनर्जी ने जिस बागी विधायक को टीएमसी से बाहर का रास्ता दिखाया, वो टीएमसी के विधायकों का समर्थन जुटाकर नेता प्रतिपक्ष बना गया। ऋतब्रत बनर्जी की नजर टीएमसी को अपने कब्जे में लेने की है। इसके लिए लामता है ये लड़ाई महाराष्ट्र की तर्ज पर आगे लड़ने की है। अंदरखाने हुए इस विद्रोह की कानों कान खबर ममता को नहीं हुई। इस बड़े घटनाक्रम से ममता बनर्जी कैंप में भारी हड़कंप मच गया है। बागी गुट के



आजादी के बाद से ही बंगाल में यह अनोखा ट्रेंड रहा है कि सत्ता गंवाने वाली पार्टियाँ कभी वापसी नहीं करतीं। कांग्रेस 1977 तक 25 साल शासन में रही और फिर कभी सत्ता में नहीं लौटी। वामपंथी पार्टियाँ 2011 तक 34 साल तक सत्ता में रही और फिर कभी वापस नहीं लौटी। लम्बे अरसे तक सत्तारूढ़ रहने वाली कांग्रेस और वामपंथी पार्टियाँ का सियासत से अस्तित्व मित गया। आज के हालात को देखते हुए कुछ लोगों का कहना है 2011 से 2026 तक बंगाल पर निर्विवाद राज करने वाली पार्टी टीएमसी सत्ता से बेदखल होते ही बिखराव के रास्ते पर है।

नेताओं और सरपेंड चल रहे टीएमसी नेता रिजु दत्ता का कहना है कि पार्टी के विधायक राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और उनके कॉरपोरेट स्टाइल (आई-पैक) से बुरी तरह नाराज चल रहे थे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव में हार के ठीक बाद 6 मई को बुलाई गई बैठक में विधायकों से जबनर अभिषेक बनर्जी के स्वागत में खड़े होकर तालियाँ बजावाई गईं, जिसने विधायकों के आत्मसम्मान को गहरी ठेस पहुँचाई और वहीं से बगावत के बीज बो दिए गए। टीएमसी विधायकों की बगावत के बाद सांसदों के टूट पर खतरा मँडराने लगा है। बंगाल की सियासत में इस समय जैसे को तैसा की कहावत चरितार्थ हो रही है। बुरी तरह पराजित होने के बाद तृणमूल कांग्रेस और उनके नेता हार के सदमे से उबर नहीं पाये हैं। तृणमूल के नेताओं को देखते ही लोग गुरसे से उबल पड़ते हैं। चोर चोर के नारों से उनका स्वागत हो रहा है। अभिषेक और कल्याण बनर्जी की पिटाई के समाचार भी मिल रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के विधायक पार्टी

नजरिया



आज पर्यावरण प्रदूषण बहुत तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या और बड़ी-बड़ी इमारतों के कारण पर्यावरण की प्रकृति नष्ट हो रही है। हर जगह-जगह घने वृक्ष काट कर बड़ी बिल्डिंगों का निर्माण करना पर्यावरण और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ है। इतना ही नहीं जहाँ वाहनों का धुआँ, मशीनों की आवाज, खराब रासायनिक जल आदि की वजह से, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण हो रहा है। जिसके कारण हमें अनेक बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण के अभाव में जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

जीवन का आधार है पर्यावरण

रमेश सराफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

दुनिया में हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को कई कार्यक्रमों के जरिये प्रकृति को संरक्षित रखने और इससे खिलवाड़ न करने के लिए जागरूक किया जाता है। इन कार्यक्रमों के जरिये लोगों को पेड़-पौधे लगाने, पेड़ों को संरक्षित करने, हरे पेड़ न काटने, नदियों को साफ रखने और प्रकृति से खिलवाड़ न करने जैसी चीजों के लिए जागरूक किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस एक अभियान है। इस अभियान की शुरुआत करने का मुख्य उद्देश्य वातावरण की स्थितियों पर ध्यान केंद्रित करने और पृथ्वी के सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव का भाग बनने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरुआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहाँ 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम जलवायु के लिए अभी है। यह थीम जलवायु परिवर्तन की तात्कालिकता और इसके वास्तविक, ठोस समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करती है।

पर्यावरण दो शब्दों परि और आवरण से मिलकर बना है। परि का अर्थ होता है हमारे आसपास या हमारे चारों ओर। आवरण का अर्थ होता है हम चारों ओर जिससे घिरे हैं। अर्थात् पर्यावरण का अर्थ हमारे आस-पास के वातावरण से है। पर्यावरण पेड़-पौधों, वायु हमारे आस-पास की

सभी चीजों से मिलकर बनता है। पर्यावरण हमारे दैनिक जीवन से सीधा संबंध रखता है। मानव और पर्यावरण एक दूसरे से संबंधित तथा एक दूसरे पर निर्भर होते हैं। पर्यावरण प्रदूषण जैसे पेड़ों का कम होना, वायु प्रदूषण आदि मनुष्य के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डालता है। मानव की अच्छी बुरी आदतों का प्रभाव सीधा पर्यावरण पर पड़ता है। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मानव जाति को पर्यावरण के प्रति सचेत करना है। उसका उद्देश्य पूरी प्रकृति व पर्यावरण की सुरक्षा करना है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की मेकिंग पीस विद नेचर रिपोर्ट पृथ्वी पर मंडरा रहे तीन बड़े पर्यावरणीय संकटों जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का नुकसान और प्रदूषण से निपटने के लिए एक वैज्ञानिक खाका प्रदान करती है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि और प्रदूषण तीनों आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। ये मानव अस्तित्व के लिए एक स्व-निर्मित खतरा हैं। प्रदूषण के कारण हर साल लगभग 90 लाख लोग असायनिक रूप से अपनी जान गंवाते हैं। लगभग 10 लाख प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर हैं। मानवता ने पिछले 50 वर्षों में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक और अस्थिर दोहन किया है जिससे हमारी पृथ्वी की जीवन-समर्थन क्षमता कमजोर हो गई है। सतत भविष्य के लिए जरूरी है कि अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय प्रणालियों को इस तरह से बदला जाए जो प्रकृति को नुकसान पहुँचाने के बजाय उसे बहाल करने में निवेश करें।

पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड के वैश्विक उत्सर्जन में 2010 की तुलना में 457 की कमी और 2050 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करना अनिवार्य है। भोजन, ऊर्जा और सामग्री के उत्पादन के वर्तमान तरीकों में सुधार करना होगा ताकि पृथ्वी के संसाधनों का अधिक न्यायसंगत और सुरक्षित उपयोग हो सके। सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जलवायु, जैव विविधता और प्रदूषण से जुड़ी नीतियों को एक साथ

लागू करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट इस निष्कर्ष पर जोर देती है कि आने वाले दशकों में प्रकृति के साथ शांति स्थापित करना मानवता के लिए सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक कार्य है। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रूपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। मगर देश में लाकड़ान के चलते बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएँ व्यक्त की जाती थी। उन नदियों के पानी को शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी। वैज्ञानिकों के अनुसार गंगा का पानी साफ होने की वजह पानी में घुले डिस्साल्ट का मात्रा में आई 500 प्रतिशत की कमी थी।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहाँ के पेड़ पौधे काट दिये गए व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहाँ रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ों को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़, पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबंध को सुधारना है। वास्तविक रूप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पेड़ों के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी। प्रदूषण के उच्च स्तर के कारण आज हमारा पर्यावरण खतरने में है। पर्यावरण के सभी घटक जीवमंडल, जलमंडल, वायुमंडल सभी प्रदूषण में

छोड़ रहे हैं। ममता बनर्जी की बुलाई बैठक से 60 विधायकों के गायब रहने के बाद टीएमसी ने संदीपान साहा और ऋतब्रत बनर्जी जैसे नेताओं को निर्लंबित कर दिया है। बागियों का साफ आरोप है कि अभिषेक बनर्जी और चुनावी परामर्शदाता आई-पैक (ख-झ-उ) की नीतियों ने पार्टी को बर्बाद किया है। टीएमसी के वरिष्ठ और जमीनी नेताओं का आरोप है कि अभिषेक बनर्जी ने पार्टी की कमान संभालते ही पुराने और वफादार नेताओं को हाथिए पर धकेल दिया। उनके स्थान पर ऐसे युवाओं को तरजीह दी गई जिनका जमीनी राजनीति से कोई सरोकार नहीं था। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक बागियों का आरोप है कि टिकट वितरण से लेकर सांगठनिक फैसलों तक में आई-पैक का दखल इतना बढ़ गया था कि विधायकों को अपने ही क्षेत्रों में रबर स्टैप बना दिया गया। चुनाव में मिली करारी हार के लिए सीधे तौर पर आई-पैक और अभिषेक की रणनीतियों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। आजादी के बाद से ही बंगाल में यह अनोखा ट्रेंड रहा है कि सत्ता गंवाने वाली पार्टियाँ कभी वापसी नहीं करतीं। कांग्रेस 1977 तक 25 साल शासन में रही और फिर कभी सत्ता में नहीं लौटी। वामपंथी पार्टियाँ 2011 तक 34 साल तक सत्ता में रही और फिर कभी वापस नहीं लौटी। लम्बे अरसे तक सत्तारूढ़ रहने वाली कांग्रेस और वामपंथी पार्टियाँ का सियासत से अस्तित्व मित गया। आज के हालात को देखते हुए कुछ लोगों का कहना है 2011 से 2026 तक बंगाल पर निर्विवाद राज करने वाली पार्टी टीएमसी सत्ता से बेदखल होते ही बिखराव के रास्ते पर है। उसका भी वही हस होगा जो पूर्ववर्ती पार्टियों का हुआ है। हालाँकि यह भविष्य के गर्भ में छिपा है कि टीएमसी का क्या होगा। बहरहाल ममता की पार्टी के नेता पार्टी छोड़ते जा रहे हैं।

फंस गए हैं। प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव सामान्य प्राकृतिक पर्यावरण को बहुत अधिक प्रभावित कर रहा है। ज्वालामुखी का फटना जंगल में अपने आप आग लगाना आदि प्राकृतिक प्रदूषण की घटनाएँ हैं। जल का मैला होना, वाहनों से निकलने वाला धुआँ, कल कारखानों से निकलने वाला धुआँ से उत्पन्न होने वाला प्रदूषण, वनों की कटाई आदि मानव द्वारा निर्मित प्रदूषण हैं। मानव द्वारा निर्मित प्रदूषण से प्रकृति व पर्यावरण का विनाश तेजी से हो रहा है। प्रदूषण के मुख्य रूप जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और मृदा प्रदूषण हैं। ऐसे में पर्यावरण प्रबंधन की वर्तमान में बहुत आवश्यकता है।

आज पर्यावरण प्रदूषण बहुत तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या और बड़ी-बड़ी इमारतों के कारण पर्यावरण की प्रकृति नष्ट हो रही है। हर जगह-जगह घने वृक्ष काट कर बड़ी बिल्डिंगों का निर्माण करना पर्यावरण और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ है। इतना ही नहीं जहाँ वाहनों का धुआँ, मशीनों की आवाज, खराब रासायनिक जल आदि की वजह से, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण हो रहा है। जिसके कारण हमें अनेक बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण के अभाव में जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

हमें भविष्य में जीवन को बचाये रखने के लिए पर्यावरण की सुरक्षा को सुनिश्चित करना होगा। यह पृथ्वी पर निवास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति को आगे आकर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम का हिस्सा बनना होगा तभी हम पृथ्वी को सुरक्षित रख सकेंगे। इस दिन हमें अपनाजन को भागीदार बना कर उन्हें इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमें व हमारी आने वाली पीढ़ियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पायेंगे। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियाँ शुद्ध हवा में सांस ले पायेंगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आपके पास शक्ति है तो उसका दुरुपयोग होना स्वाभाविक : इजराइली राजदूत

नई दिल्ली/भाषा। भारत में नियुक्त इजराइली राजदूत रुवेन अजार ने इजराइली रक्षा बलों द्वारा दुर्घटनाग्रस्त होने के आरोपों के जवाब में कहा है कि जब आपके पास शक्ति होती है, तो उसका दुरुपयोग होना स्वाभाविक है। उन्होंने आलोचना को स्वीकार करते हुए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर उनके देश के लिए असंभव मानक निर्धारित करने का आरोप भी लगाया। सैन्य आचरण का स्पष्ट आकलन करते हुए, उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं अपवाद हैं और देश की विधि व्यवस्था के माध्यम से इनका समाधान किया जाता है। राजदूत ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और मीडिया के कुछ वर्गों पर भी आरोप लगाया कि वे क्षेत्र में अन्य पक्षों द्वारा किये गए अत्याचारों को अनदेखा करते हुए इजराइल के लिए असंभव मानक निर्धारित कर रहे हैं। अजार ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, कोई भी देश और कोई भी सेना दुर्घटनाग्रस्त करेगी। जब आपके

पास शक्ति होती है, तो उसका दुरुपयोग होना स्वाभाविक है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इजराइल की विधि व्यवस्था सैनिकों को जवाबदेह ठहराने के लिए सक्रिय रूप से काम करती है, भले ही आलोचकों का तर्क हो कि (इजराइल) सरकार कुछ मामलों में बहुत नरम रही है। उनसे जब फ्लस्तीनी बंदियों के साथ दुर्घटनाग्रस्त होने वाले आरोपी सैनिकों के खिलाफ इजराइली अधिकारियों द्वारा आरोप वापस लिये जाने के बारे में पूछा गया, तो अजार ने तर्क दिया कि तथ्यों को तोड़-परोड़ कर पेश करने का एक सफल प्रयास किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इजराइल को लगातार आरोपी के रूप में दर्शाया जाए। अजार ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी पेशेवर सैन्य अधिकारी के लिए सबसे अहम सवाल यह है कि दुर्घटनाग्रस्त अपवाद है या नियम, और क्या ऐसी घटनाओं के होने पर अधिकारी

सुधारात्मक कार्रवाई करते हैं। राजदूत ने विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र को निशाना बनाते हुए दावा किया कि अधिकांश अरब और मुस्लिम देश संयुक्त राष्ट्र का उपयोग उन लोगों को नियुक्त करने के लिए करते हैं जिन्हें इजराइल ने पूरी तरह से पक्षपात करने वाला करार दिया हुआ है। उन्होंने इन लोगों द्वारा तैयार की गई रिपोर्टों को इजराइल के खिलाफ मीडिया में नकारात्मक भावना गढ़ने के लिए बनाये गए तंत्र का हिस्सा बताया। हाल में, इजराइल को पहली बार संयुक्त राष्ट्र की उस काली सूची में शामिल किया गया है, जो संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा करने वाले देशों से संबंधित है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेर्रेस के कार्यालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र ने गाजा और वेस्ट बैंक में फ्लस्तीनियों के खिलाफ इजराइली सेना द्वारा कथित तौर पर किये गए यौन हिंसा के 31 मामलों की पुष्टि की है।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 'द सेकंड ऑर्बिट' के साथ लेखक बने

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला अब लेखक बनने जा रहे हैं। उनकी किताब 'द सेकंड ऑर्बिट: बिलीफ ऑफ ए मैनड्रीम ऑफ 1.4 बिलियन हार्ल्स 25 जून को बाजार में उपलब्ध होगी। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) द्वारा प्रकाशित संस्करण में ग्रुप कैप्टन शुक्ला मानव अंतरिक्ष उड़ान की वास्तविकताओं को साझा करते हैं। इसमें उन्होंने अंतरिक्ष उड़ान की वास्तविकताओं का वर्णन किया है, जिसमें वर्षों की तैयारी, असफलताएं, अनुशासन, कठोर प्रशिक्षण, अनिश्चितताएं और उस सपने को पूरा करने के लिए जरूरी अटूट विश्वास शामिल है, जो अक्सर असंभव प्रतीत होता था। शुक्ला उन चार अंतरिक्ष यात्रियों में से एक थे, जिन्होंने पिछले साल जून में अंतरिक्ष यात्री की ओर नारा के एक्सिओम-4 मिशन के तहत आईएसएस पर 18 दिन बिताए। यह उपलब्धि चार दशक बाद किसी भारतीय की अंतरिक्ष में यापसी का प्रतीक बनी। इससे पहले वर्ष 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने थे। शुक्ला ने अपनी किताब में लिखा है, उड़ान से पहले ही मैं एक सवाल के साथ कैम्ब्रिज गया—इस मिशन का अर्थ क्या होना चाहिए? एक अंतरिक्ष उड़ान भविष्य की तकनीकों के द्वार खोलती है, लेकिन



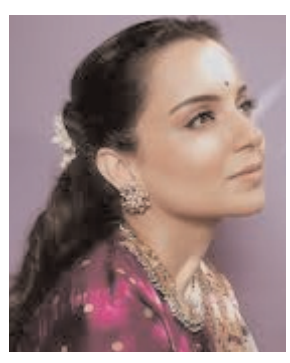
इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह एक ऐसी भावना को जन्म देती है जिसे मापना कठिन है—किसी बच्चे के मन में यह विश्वास जगना कि उसके लिए संभावनाओं का एक नया दरवाजा खुल गया है। अशोक चक्र से सम्मानित शुक्ला ने एक बयान में कहा, 42 वर्ष पहले राकेश शर्मा ने मेरी पीढ़ी सहित पूरे एक दौर के लिए उस दरवाजे को खोला था। यह पुस्तक उस दरवाजे को अगली पीढ़ी के लिए खुला रखने का मेरा एक प्रयास है। रोचक किस्तों और दुर्लभ प्रत्यक्ष अनुभवों के माध्यम से शुक्ला पाठकों को अंतरिक्ष यात्री चयन प्रक्रिया, वर्षों के कठिन प्रशिक्षण, आईएसएस पर बिताए गए जीवन और यहां तक पहुंचने की यात्रा से रूबरू करवाएंगे। प्रकाशकों के अनुसार, 'द सेकंड ऑर्बिट' केवल अंतरिक्ष की कहानी नहीं है। यह आत्मविश्वास, डर पर काबू पाकर अवसरों को स्वीकार करने और 1.4 अरब भारतीयों की उम्मीदों को पृथ्वी के वायुमंडल से परे ले जाने की प्रेरक यात्रा की कहानी है।



बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा मुंबई में आयोजित लज्जरी ज्वेलरी के भव्य लॉन्चिंग इवेंट में अपने पति जीन गुडइनफ के साथ शामिल हुईं।

जब हैसियत बढ़ती है तो दुश्मन भी बढ़ते हैं : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी। फिल्म इंडस्ट्री में इन दिनों रणवीर सिंह और फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न सिने एम्प्लॉयज (एफडब्ल्यूआईसीई) के बीच चल रहा विवाद चर्चा का विषय बना हुआ है। अभिनेता के खिलाफ जारी किए गए नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव को लेकर कई कलाकार अपनी-अपनी राय रख रहे हैं। इसी बीच अब अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है। कंगना रनौत ने अपनी आने वाली फिल्म 'भारत भाय विधाता' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान रणवीर सिंह के समर्थन में बात करते हुए कहा कि जब हैसियत बढ़ती है तो दुश्मन भी बढ़ते हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान जब कंगना रनौत से रणवीर सिंह और उनके खिलाफ जारी किए गए फेडरेशन के फैसले को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, "मुझे इस विषय पर सवाल पूछना दिलचस्प है। मुझे भी सपनी बन बन किया था। जब आपकी हैसियत बढ़ती है, तो दुश्मन भी बढ़ते हैं।



एसा नामुमकिन है कि आपकी हैसियत बढ़े और दुश्मन न बढ़े। ऐसे में रणवीर सिंह को समझना चाहिए कि उनकी क्या हैसियत है, जो उनके इतने दुश्मन हैं। कंगना ने आगे कहा, "जीवन में हमेशा एक जैसे हालात नहीं रहते। सफलता के साथ संघर्ष भी आते हैं। मेरे साथ भी फिल्म इंडस्ट्री में कई तरह की घटनाएं हुईं, लेकिन मैंने काम करना नहीं छोड़ा। मैं अच्छा कर रही हूँ, मेरे करियर की गाड़ी अच्छी चल रही है। ऐसे फैसलों से कुछ फर्क नहीं पड़ता।" दरअसल, पूरा मामला फिल्म 'डॉन 3' से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म की

घोषणा साल 2023 में फिल्म निर्माता फरहान अख्तर ने की थी। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका निभाने वाले थे और इसे लोकप्रिय डॉन फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी माना जा रहा था। हालांकि बाद में खबरें सामने आई कि रणवीर सिंह ने फिल्म से खुद को अलग कर लिया है। इसके बाद विवाद शुरू हुआ और मामला अलग-अलग संगठनों तक पहुंच गया। फिल्म निर्माताओं का आरोप है कि फिल्म की तैयारी, प्री-प्रोडक्शन और शेड्यूल में बदलाव के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ऐसे में एफडब्ल्यूआईसीई ने रणवीर सिंह के खिलाफ नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव जारी किया। फेडरेशन का कहना था कि जब तक मामला नहीं सुलझता, तब तक उससे जुड़े सदस्य रणवीर सिंह के साथ काम नहीं करेंगे। हालांकि इस फैसले को लेकर इंडस्ट्री के कई लोगों ने अलग-अलग राय रखी है। चंकी पांडे और मनोज बाजपेयी समेत कई सितारों ने उम्मीद जताई कि यह विवाद बातचीत के जरिए जल्द सुलझ जाएगा।

भूमि पेडनेकर ने किया 'पिक ई-रिवशा' पहल का समर्थन, कहा- इससे महिलाओं की जिंदगी में आएगा बदलाव

मुंबई/एजेन्सी। मुंबई में 'ड्राइव हर फ्यूचर' नाम से एक पहल की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य महिलाओं को रोजगार देना, उन्हें आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। इस अभियान के तहत शुरू की गई 'पिक ई-रिवशा' पहल को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपना खुलकर समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को कमाने और अपने पैरों पर खड़े होने का मौका मिलता है, तो न सिर्फ उनका जीवन बदलता है, बल्कि पूरे समाज और देश की प्रगति भी तेज हो जाती है। मुंबई में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम के दौरान भूमि पेडनेकर ने इस पहल की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, "यह पहल पर्यावरण, महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण इन तीनों मुद्दों को एक साथ जोड़ती है। अक्सर लोग महिला सशक्तिकरण की बातें तो करते हैं, लेकिन बहुत कम ऐसे कदम देखने को मिलते हैं जो वास्तव में महिलाओं की जिंदगी में बदलाव लाएं। यह एक ऐसा काम है जो महिलाओं को सीधे तौर पर फायदा पहुंचाएगा।" भूमि पेडनेकर ने कहा, "इस कदम के तहत महिला चालकों को ई-रिवशा दिए जाएंगे, जिससे वे खुद रोजगार कमा सकेंगी। आर्थिक स्वतंत्रता किसी भी महिला को मजबूत बनाने का सबसे बड़ा माध्यम है। जब किसी महिला के पास अपनी आय का स्रोत होता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अपने फैसले खुद लेने में सक्षम बनती है। अगर देश की महिलाएं सक्षम और आत्मनिर्भर होंगी, तो देश की विकास गति भी तेज होगी और समाज में सुरक्षा का माहौल भी बेहतर बनेगा।" अभिनेत्री ने आगे कहा, "इस पहल की सबसे खास बात यह है कि यह केवल महिलाओं के लिए अक्सर



पेदा नहीं कर रही, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रही है। मुंबई में शुरुआत के तौर पर एक हजार पिक ई-रिवशा लॉन्च किए जा रहे हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में कुल 12 हजार ई-रिवशा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। भविष्य में इस योजना को अन्य राज्यों तक भी पहुंचाया जाएगा, ताकि देशभर की महिलाओं को इसका लाभ मिल सके।" इस कार्यक्रम में भूमि पेडनेकर के साथ अमृता फडणवीस और साहेब भामला भी मौजूद रहे। इस अवसर पर अमृता फडणवीस ने भी इस पहल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के सामने पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। ऐसे समय में इलेक्ट्रिक याहनों को बढ़ावा देना बेहद जरूरी हो गया है। पिक ई-रिवशा योजना महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता तो देती ही है, साथ ही पर्यावरण को सुरक्षित रखने में भी मदद करती है। जब एक महिला ई-रिवशा चलाकर अपनी आजीविका कमाती है, तो वह समाज और पर्यावरण दोनों के लिए सकारात्मक योगदान देती है। गौरतलब है कि भामला फाउंडेशन द्वारा शुरू की गई 'ड्राइव हर फ्यूचर' पहल का उद्देश्य एक हजार महिलाओं को ई-रिवशा उपलब्ध कराना है। इस पहल के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के नए अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

पूजा अर्चना



ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता के ऐतिहासिक कालीघाट मंदिर में जाकर दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की।

प्रदूषण नहीं रुका तो खो जाएगी दुनिया की खूबसूरती : शुभांगी अत्रे



मुंबई/एजेन्सी। टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने पर्यावरण को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने पर्यावरण से जुड़े कई अहम मुद्दों पर खुलकर बात की और कहा कि अगर इसांनों ने अब भी अपनी आदतों में बदलाव नहीं किया, तो आने वाले समय में प्रकृति का संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। आईएसएस से बात करते हुए शुभांगी अत्रे ने कहा, "आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसांन प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहना भूल गया है। पहले लोग प्रकृति का उपयोग अपनी जरूरतों के अनुसार करते थे, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। अब प्राकृतिक संसाधनों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसका असर धरती के हर हिस्से पर दिखाई देने लगा है।" शुभांगी ने कहा, "इसांन अब सिर्फ संसाधनों का उपयोग नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें तेजी से खत्म भी कर रहा है। जंगल लगातार कम होते जा रहे हैं, जिसके कारण जानवरों का प्राकृतिक आवास छिन रहा है। कई प्रजातियां संकट में हैं और मौसम का चक्र भी पहले जैसा नहीं रहा। कभी अत्यधिक गर्मी पड़ती है तो कभी अचानक भारी बारिश हो जाती है। यह सब प्रकृति के असंतुलन का संकेत है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।" अभिनेत्री ने प्लास्टिक प्रदूषण को भी एक गंभीर खतरा बताया। उन्होंने कहा, "प्लास्टिक ऐसा जहर है जो धीरे-धीरे पूरी प्रकृति को नुकसान पहुंचा रहा है। प्लास्टिक धरती और जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहा है और इसका सबसे ज्यादा नुकसान उन जीव-जंतुओं को होता है, जो यह समझ ही नहीं पाते कि यह उनके लिए कितना खतरनाक है। कई बार जानवर प्लास्टिक को भोजन समझकर खा लेते हैं, जिससे उनकी जान तक चली जाती है। इसे कम करने के लिए लोगों को अपनी रोजमर्रा की आदतों में बदलाव लाना होगा। अगर प्रदूषण नहीं रुका तो दुनिया अपनी प्राकृतिक शांति खो देगी।" उन्होंने कहा,

"पर्यावरण की रक्षा रोजाना छोटे-छोटे प्रयासों से की जा सकती है। जब कोई व्यक्ति प्रकृति से जुड़ा रहता है, तो वह जीवनशैली के प्रति ज्यादा जिम्मेदार होता है। यही जुड़ाव लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाता है और उन्हें सही विकल्प चुनने की प्रेरणा देता है।" विश्व पर्यावरण दिवस से पहले शुभांगी ने भविष्य को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, "अगर प्रदूषण इसी तरह बढ़ता रहा तो दुनिया अपनी प्राकृतिक शांति और खूबसूरती खो सकती है। प्रकृति केवल पेड़-पौधों या नदियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इसांनों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से भी जुड़ी हुई है। अगर पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो इसांन भी स्वस्थ और खुशहाल जीवन की पाप्ना।" शुभांगी अत्रे ने लोगों से अपील की कि वे अपनी तेज रफ्तार जिंदगी में कुछ समय प्रकृति को समझने और उसके महत्व को महसूस करने के लिए निकालें। हम धरती का सम्मान करना सीखना होगा। अगर हम धरती, पेड़-पौधों, नदियों और जीव-जंतुओं की रक्षा करेंगे, तो प्रकृति ही हमें सुरक्षित और संतुलित जीवन देती रहेगी।

पाकिस्तान बना रहा नई आंतरिक सुरक्षा नीति, आतंकवाद के वित्तपोषण रोकने पर जोर

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान एक नई आंतरिक सुरक्षा नीति पर काम कर रहा है, जिसका मकसद आपराधिक डेटाबेस को एकीकृत करके और प्रांतों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था सुधारकर आतंकवाद के वित्तपोषण पर लगाव लगाना है। प्रस्तावित राष्ट्रीय आंतरिक सुरक्षा नीति 2026-30 पर इसी महीने नेशनल पुलिस मैनेजमेंट बोर्ड (एनपीएमबी) की एक असाधारण बैठक में चर्चा होगी और इसमें सभी प्रांतीय पुलिस प्रमुखों की सिफारिशें शामिल की जाएंगी। 'डॉन' अखबार की खबर में बृहस्पतिवार को कहा गया कि इसमें पाकिस्तान के कच्चे तेल कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के पुलिस

प्रमुखों के सुझाव भी लिए जाएंगे। खबर के अनुसार प्रस्तावों में गिलगित-बाल्टिस्तान में 'काउंटर-टेरिस्ट्रि डिपार्टमेंट' (सीटीडी) की स्थापना, राष्ट्रीय स्तर पर पुलिस डेटा का एकीकरण, अंतर-प्रांतीय खुफिया साझाकरण तंत्र में सुधार और आतंकवाद के वित्तपोषण रोकने के उपाय शामिल हैं। इस नीति में राष्ट्रीय पुलिस ब्यूरो (एनपीबी) के देशव्यापी पुलिस सुधारों और सुरक्षा रणनीतियों में बड़ी भूमिका की परिकल्पना की गई है। ब्यूरो की अध्यक्षता फिलहाल संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के महानिदेशक उस्मान अनवर कर रहे हैं। अनवर ने 'डॉन' से कहा कि विभिन्न असेंज कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच गंभीर तालमेल की कमी है। उन्होंने पूरे देश में पुलिस

व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी प्रांतों में एक समान पुलिसिंग तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आतंकवाद से लड़ने और आतंकी वित्तपोषण पर लगाव लगाने के लिए प्रांतों में एकसमान तंत्र स्थापित करना और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ सहयोग करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। अनवर ने बताया कि आगामी बैठक में कार्यात्मक विशेषज्ञता, पुलिस कल्याण, अंतरराष्ट्रीय अपराध, आपराधिक डेटा एकीकरण, प्रशिक्षण, महिला पुलिस नेटवर्किंग, अंतर-प्रांतीय खुफिया साझाकरण और गिलगित-बाल्टिस्तान में सीटीडी के विकास पर भी चर्चा होगी।

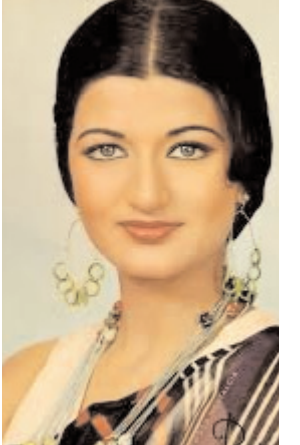
स्वागत



लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिला स्थित पंतनगर हवाई अड्डे पर पहुंचने पर कांग्रेस विधायक मोहम्मद निजामुद्दीन और उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

5 साल की उम्र में मिली जिम्मेदारियां, स्कूल की जगह फिल्मों के सेट पर बीता था सारिका का बचपन

मुंबई/एजेन्सी। फिल्मों दुनिया में अभिनेत्री सारिका ने बचपन में ही जिम्मेदारियों का बोझ अपने कंधों पर ले लिया था। जिस उम्र में बच्चे स्कूल जाते हैं, खेलते हैं और अपने सपने बुनते हैं, उस उम्र में सारिका को परिवार का सहारा बनना पड़ा। यही संघर्ष आगे चलकर उनकी पहचान बना और उन्होंने अपने दम पर हिंदी सिनेमा में एक खास मुकाम हासिल किया। अभिनय से लेकर कॉस्ट्यूम डिजाइन तक, उन्होंने कई क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखाई और राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीते। सारिका का जन्म 3 जून 1960 को नई दिल्ली में हुआ था। जब वह छोटी थीं, तब उनके पिता परिवार से अलग हो गए थे। ऐसे में सारिका को महज पांच साल की उम्र में ही काम करना पड़ा। परिवार की मदद करने के लिए उन्होंने फिल्मों में काम शुरू किया। इसी वजह से वह स्कूल नहीं जा सकीं। हालांकि पढ़ाई का मौका कम मिला, लेकिन उन्होंने जिंदगी से बहुत कुछ सीखा और मेहनत को अपना सबसे बड़ा सहारा बनाया।



सारिका ने बाल कलाकार के रूप में कई फिल्मों में लड़के के किरदार निभाए। बड़े होने के बाद सारिका ने मुख्य अभिनेत्री के रूप में भी काम किया। उन्हें फिल्म 'मीत गाता चल' से खास पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कई चर्चित फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें 'आशीर्वाद', 'छोटी बहू', 'जिंद', 'वंदना', 'गृह प्रवेश' और 'खुशबू' जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं। अपनी सादगी के कारण वह दर्शकों

के बीच लोकप्रिय रहीं। सारिका का निजी जीवन भी अक्सर चर्चा में रहा। उनका नाम अभिनेता कमल हासन के साथ जुड़ा। दोनों लंबे समय तक लिव-इन में रहे और बाद में शादी कर ली। उनकी दो बेटियां हैं, जिनमें श्रुति हासन आज फिल्म जगत का नाम-पहचाना नाम हैं और दूसरी अक्षरा हासन। श्रुति हासन का जन्म शादी से पहले हो गया था। उसके बाद अक्षरा हासन का जन्म हुआ। साल 1988 में कमल हासन और सारिका ने शादी की और 2004 में अलग हो गए। अभिनय के अलावा सारिका ने पढ़ने के पीछे भी कई काम किया। उन्होंने कॉस्ट्यूम डिजाइन के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाई। फिल्म 'हे राम' के लिए उनके काम को काफी सराहना मिली और उन्हें सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। इसके बाद फिल्म 'परजानिया' में उनके समदार अभिनय ने सभी का ध्यान खींचा। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।



स्कूल में मनाया संतों का जन्मदिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

कोयंबटूर। यहां उपनगर बोडीपालय में गुरुवार को शैक्षणिक वर्ष 2026-2027 के प्रारंभ होने पर समारोह आयोजित हुआ। समारोह में श्रमण संघीय वरिष्ठ प्रवर्तक श्री सुकन मुनिजी म. सा. के 81वें एवं ज्योतिष सप्ताह उप

प्रवर्तक श्री अमृत मुनि जी. म. सा. के 65वें जन्मदिवस समारोह भी आयोजित हुआ। श्री वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर) के महामंत्री टाइगर खारीवाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय में नव दाखिले प्राप्त करने वालों को एडमिशन के साथ ही टिफिन, नोटबुक, स्लैट, मिठाई आदि प्रदान किए गए। इस मौके पर संघ के समन्वयक राजेश कुमार गदिया ने विद्यालय के विद्यार्थियों को संघ सदस्यों एवं दानदाता के सहयोग से पठन पाठन सामग्री के साथ ही नए दाखिलों को विधित शुरूवात कर शैक्षणिक सत्र के शुरू होने की घोषणा की एवं पौधारोपण के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।



दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

पौधारोपण

हुब्ली धारवाड महानगर पालिका के वार्ड क्रमांक 44 की पार्श्व उमा मुकुंद के जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार को हुब्ली स्थित मधुरा एस्टेट गार्डन में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा मध्य विधानसभा क्षेत्र मंडल 73 के सचिव विनोदकुमार पटवा, मुकुंद कुमार तथा निखिल वांगी ने पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।



जीतो स्वयं-वी कनेक्ट की बैठक में 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' पर हुआ विशेष प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

बेंगलूर। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) बेंगलूर नार्थ लेडीज विंग के व्यावसायिक समूह स्वयं-वी कनेक्ट की बैठक आयोजित हुई।

रेफरल प्रमुख सीए सुखदेवी जैन, रेफरल लीड प्रजा सेठी एवं रेफरल सचिव मोक्षा सोलंकी शामिल थीं। बैठक में नॉर्थ की लेडीज अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, सचिव रक्षा छाजेड एवं कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता भी उपस्थित थीं। बैठक का मुख्य आकर्षण कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विषय पर आयोजित विशेष कार्यशाला रही, जिसका संचालन मैनइन्फिनिटी ऑटोमेशन के मुख्य प्रोग्रामिगी अधिकारी एवं एआई इंजीनियर प्रिंस जैन ने किया। उन्होंने चैट जीपीटी, जेमिनी, नोटबुक-एलएम एवं कॅम्बैट जैसे आधुनिक एआई प्लेटफॉर्म का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सदस्यों को तकनीक के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। बैठक के अंतर्गत व्यावसायिक प्रस्तुति में विभिन्न सदस्यों ने अपने अपने व्यवसाय की जानकारी दी। बैठक के दौरान विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया।

भारतीय सेना के मेजर ने अमेरिकी सेना के उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में दो पुरस्कार जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

वार्शिंगटन/भाषा। भारतीय सेना के एक मेजर ने फोर्ट लेवेनवर्थ, कॅन्सास में आयोजित एक प्रतिष्ठित अमेरिकी सेना नेतृत्व कार्यक्रम में दो शैक्षणिक पुरस्कार जीते हैं, जिसमें अमेरिका और सहयोगी देशों के 951 अधिकारी शामिल थे। अमेरिकी सेना के 'कमांड एंड जनरल स्टॉफ कॉलेज' के 'कमांड एंड जनरल स्टॉफ ऑफिसर्स' (सीजीएसओसी) के दीक्षांत समारोह के दौरान भारत के मेजर प्रभात मिश्रा को उत्कृष्ट 'स्टारट ऑफ मिलिट्री आर्ट्स एंड साइंस थिसिस' के लिए 'बिर-ब्रूक' पुरस्कार और 'जनरल डगलस मैकआर्थर मिलिट्री लीडरशिप रीडिंग अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

ये पुरस्कार 951 स्नातकों को प्रदान किए गए जिन्होंने 10 महीने का कार्यक्रम पूरा किया। स्नातक होने वालों में 92 देशों के 120 अंतरराष्ट्रीय सैन्य छात्र शामिल थे। अमेरिकी सेना के एक बयान में कहा गया कि इस वर्ष के बीच ने संशोधित और आधुनिक पाठ्यक्रम का अध्ययन किया। अन्य अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों में नॉर्वे के मेजर अलेक्जेंडर ग्रैनबर्ग को जनरल ड्यूडल जी. आइजन्हावर पुरस्कार और आर्ट-ऑफिसन पुरस्कार प्राप्त हुआ। कुवैत के लेफ्टिनेंट कर्नल तालेह एस एफ एच अलराशिद को मेजर जनरल हंस स्लूप पुरस्कार मिला। फोर्ट लेवेनवर्थ में अंतरराष्ट्रीय सैन्य शिक्षा की शुरुआत 1894 में हुई थी। तब से, लगभग 170 देशों के 8,700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सैन्य छात्रों ने अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ कक्षाओं में भाग लिया है।



पर्यावरण दिवस पर ऊर्जा संरक्षण हेतु दो घंटे एसी बंद रखने का निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

बेंगलूर/दक्षिण भारत। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी द्वारा विश्वव्यापी ऊर्जा संरक्षण अभियान के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर एक विशेष जनजागरण कार्यक्रम के तहत नागरिकों से दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक अपने घरों, कार्यालयों, प्रतिष्ठानों एवं अन्य स्थानों पर एसी बंद रखकर ऊर्जा बचत में योगदान देने का आह्वान किया गया।

उसी क्रम में अणुव्रत समिति के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत, विजयनगर के अध्यक्ष महेंद्र टेबा, सहमंत्री श्रीनिवास संगठन मंत्री व दक्षिण पर्यावरण प्रभावी सम्पत्त चावत सलाहकार एलएन डगा, समिति सदस्य नरेंद्र पोखरना, नवरत्न बंद, संयोजक भूरागरम सीरवी ने इस पर्यावरण संरक्षण अभियान का प्रचार किया और लोगों को सहभागिता के लिए निवेदन किया।



जटिल एवं दुर्लभ कोलोवजाइजल फिस्टुला के उपचार में डाक्टरों को मिली सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

चेन्नई। वडपलनी स्थित कावेरी हॉस्पिटल के डाक्टरों ने देश में अपनी तरह की पहली सफल प्रक्रिया और विश्व स्तर पर दर्ज की गई सबसे दुर्लभ हस्तक्षेप प्रक्रियाओं में से एक के उपचार में सफलता प्राप्त की है। 73 वर्षीय महिला को दुर्लभ और लगातार बने रहने वाले कोलोवजाइजल फिस्टुला (बड़ी आंत और योनि के बीच एक असामान्य जुड़ाव) के कारण हृदय अवरोधन उपकरण का उपयोग करके सफलतापूर्वक इलाज किया गया। यह उपकरण हृदय में छेद बंद करने के लिए पारंपरिक रूप से डिजाइन किया गया था।

इस अत्यधिक विशिष्ट न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी की विशेषज्ञता का संयोजन किया गया, जिससे एक ऐसी मरीज को निश्चित समाधान मिला जिसकी बार-बार होने वाली समस्या कई पारंपरिक उपचारों से ठीक नहीं हो पा रही थी।

मरीज को 2018 से फिस्टुला के कारण योनि मार्ग से लगातार मल निकलने की समस्या थी। साथ ही, उन्हें बार-बार मूत्र मार्ग में संक्रमण, योनि में लगातार बेचैनी और जलन की भी शिकायत थी। प्रारंभिक उपचार के हिस्से के रूप में, उनका कोलोस्टोमी ऑपरेशन किया गया - यह एक शल्य प्रक्रिया है जिसमें बड़ी आंत के एक हिस्से को पेट की दीवार में एक छेद के माध्यम से मोड़ा जाता है ताकि मल शरीर से बाहर एक बाहरी थैली में निकल सके। बड़ी आंत के निचले हिस्से का प्रभावित भाग भी हटा दिया गया था। इसके बाद, रोगी को कोलोस्टोमी वाली जगह पर हर्निया हो गया और उनका हर्निया मरम्मत का ऑपरेशन किया गया, जिसके बाद आंत के पहले से अलग हुए हिस्सों को फिर से जोड़कर आंत की सामान्य निरंतरता बहाल की गई। कई बड़े ऑपरेशनों के बावजूद उन्हें पुनः फिस्टुला जैसी समस्याओं से जूझना पड़ा। कई अलग जगहों पर कई उपचारों के असफल होने के बाद मरीज को कावेरी अस्पताल में भर्ती कराया गया। व्यापक मूल्यांकन और उन्नत एंडोस्कोपिक जांच के बाद गैस्ट्रोएंटरोलॉजी टीम ने सफलतापूर्वक फिस्टुला संचार की पहचान की, जो निश्चित उपचार की योजना बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस स्थिति की जटिलता और लगातार बने रहने वाले फिस्टुला के लिए पारंपरिक दृष्टिकोणों की सीमाओं को देखते हुए, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी टीम ने इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी टीम के साथ मिलकर एक अभिनव उपचार योजना विकसित की, जिसमें हृदय के भीतर सेप्टल कार्डियोलांजी टीम के बंद करने के लिए आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले कार्डियक ऑक्लूजन् डिवाइस को कोलन और योनि के बीच असामान्य कनेक्शन को सील करने के लिए अनुकूलित किया गया।

इस प्रक्रिया में सावधानीपूर्वक योजना, असाधारण सटीकता और विभिन्न विशेषज्ञताओं के बीच निबंध समन्वय के साथ, उपकरण को उसके हृदय संबंधी उपयोग से बिल्कुल भिन्न शारीरिक वातावरण में स्थापित किया गया। प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई अब मरीज में कोई जटिलताएँ नहीं हैं इस पूरी प्रक्रिया का नेतृत्व कावेरी अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट और इंटरवेंशनल एंडोस्कोपिस्ट डॉ. टी.के. आनंद और वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, क्लिनिकल लीड-हार्ट फेलियर और ट्रांसप्लान्ट प्रोग्राम प्रोफेसर पी. मनोकर ने किया।

नई पार्टी या इस्तीफे पर बात नहीं हुई : अन्नामलाई पर भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैना नान्द्रेन ने बृहदपतिवार को कहा कि उनके पूर्ववर्ती के अन्नामलाई ने नयी पार्टी बनाने के बारे में किसी से कोई बात नहीं की है। नान्द्रेन ने यह भी कहा कि उन्हें पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष से कोई व्यापक बात नहीं हुई है।

अन्नामलाई के भाजपा छोड़कर अपनी नयी पार्टी बनाने की अटकलों के बीच पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नान्द्रेन ने स्पष्ट किया कि उनके (अन्नामलाई) इस्तीफे की खबरें निराधार हैं। नान्द्रेन ने पत्रकारों से कहा, "भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मुझे अभी तक ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। अन्नामलाई ने किसी से भी नयी पार्टी बनाने के बारे में बात नहीं की है। इस बारे में हमारी उनसे बात नहीं हुई है ना ही उन्होंने हमसे कुछ कहा है।"

अन्नामलाई के इस्तीफे को लेकर अटकलों के बारे में पूछे जाने पर नान्द्रेन ने कहा, "आज मेरे प्रिय भाई (अन्नामलाई) को उनके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके इस्तीफे की खबरें झूठी, निराधार और अफवाहें हैं। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी अन्नामलाई ने राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब उनके भाजपा छोड़कर अपनी नयी राजनीतिक पार्टी बनाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, पार्टी ने आधिकारिक तौर पर यह खुलासा नहीं किया है कि बैठक में क्या चर्चा हुई।"



विचारों का टकराव हिंसा और अशांति की जननी है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

शहर के मांगडी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने गुरुवार को अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि प्रत्येक आत्मा में अनंत शक्ति और विचारों की ऊर्जा का भंडार समाया हुआ है। सद्गुरु के माध्यम से उसे जागृत करके उसको सही दिशा मिल जाए तो वह स्वयं के कल्याण में सहयोगी बनता है और संपूर्ण मानवता के लिए परदान बनता है।

विचारों के माध्यम से ही व्यक्ति भगवान बनता है, ईसान बनता है और शैतान भी बनता है। जाति, पंथ, प्रांत, भाषा के संकीर्ण विचार रथियार से भी ज्यादा घातक है और परमाणु बम से भी खतरनाक है। विचारों का टकराव हिंसा और अशांति की जननी है। उन्होंने कहा कि विश्व बंधुत्व की विचारधारा जब तक विचारों में विकसित नहीं होती तब तक उसका आध्यात्मिकता और धार्मिकता में प्रवेश नहीं हो सकता।

सभी धर्मों ने यही संदेश दिया है विश्व बंधुत्व का और भाईचारे का। संतश्री ने कहा कि महापुरुषों के विचार हीरे-मोती से भी अधिक कीमती हैं, अनमोल हैं। इस मौके पर संतों के साहित्य में अनेक वीरगाथाओं का सम्मान महिला मंडल और बहू मंडल की सदस्यों ने किया। पुष्कर भवन के महामंत्री महावीरचन्द्र मेहता ने संचालन किया। अध्यक्ष नेमीचंद सालेवा ने धन्यवाद दिया। साप्ताहिकी सत्यप्रभाजी ने मंगलाचरण किया।

पांडिचेरी हिन्दी विभाग द्वारा अभ्यर्थियों हेतु अभिमुखीकरण वेबिनार का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

पुदुचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग, जो एक एनएएसी+ मान्यता प्राप्त केंद्रीय विश्वविद्यालय है, सीयूईटी (पीजी) 2026 में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए एक अभिमुखीकरण एवं मार्गदर्शन प्रदान करना है। साथ ही कार्यक्रम विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक यथावरण तथा अंतर्विषयक शिक्षण प्रणाली से परिचित कराने का भी प्रयास करेगा। यह वेबिनार 5 जून को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक की गुगल मीट ऑनलाइन की जाएगी।

अभिमुखीकरण एवं मार्गदर्शन प्रदान करना है। साथ ही कार्यक्रम विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक यथावरण तथा अंतर्विषयक शिक्षण प्रणाली से परिचित कराने का भी प्रयास करेगा। यह वेबिनार 5 जून को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक की गुगल मीट ऑनलाइन की जाएगी।



भोजपुरी सेवा समिति का पिकनिक कार्यक्रम एवं स्वच्छता अभियान संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

बेंगलूर। भोजपुरी समाज सेवा समिति के 61 सदस्यीय दल ने सामाजिक एकता, सद्भावना, आपसी मेल-मिलाप एवं भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उडुपी का भ्रमण किया। इस कार्यक्रम का अन्वय उद्देश्य युवा वर्ग को दक्षिण भारत की सभ्यता, संस्कृति एवं भौगोलिक विशेषताओं से परिचित कराना तथा समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना था।

समिति के संस्थापक अध्यक्ष एवं चेयरमैन संजय सिंह ने बताया कि सदस्य दल ने श्री कृष्ण मठ, दुर्गा परमेश्वरी मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन किए।

भ्रमण के दौरान समिति द्वारा स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। सदस्यों ने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की सफाई की तथा लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया।

मुख्यमंत्री शिवकुमार के सामने 2028 चुनाव की तैयारी के साथ कई मोर्चों पर चुनौतियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

बेंगलूर। कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के सामने कांग्रेस को 2028 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयार करने की बड़ी जिम्मेदारी है। साथ ही उन्हें राजनीतिक, वित्तीय और प्रशासनिक मोर्चों पर कई चुनौतियों का भी सामना करना होगा। 64 वर्षीय शिवकुमार ने ऐसे समय में राज्य की कमान संभाली है जब कर्नाटक विभिन्न स्तरों पर जटिल चुनौतियों से गुजर रहा है। मुख्यमंत्री के रूप में उनके सामने पहली बड़ी चुनौती मंत्रिमंडल का गठन और विभागों का बंटवारा है। उन्होंने

सिद्धारमय्या के समर्थकों को ध्यान में रखते हुए समावेशी संतुलन बनाना पड़ेगा। सिद्धारमय्या के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद कांग्रेस के लिए 'अहिंदा' वोट बैंक को बनाए रखना भी शिवकुमार के लिए महत्वपूर्ण चुनौती होगी। 'अहिंदा' अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के लिए कन्नड़ भाषा का संक्षिप्त रूप है। सिद्धारमय्या को इन समुदायों का पंजबूत सार्वभौम माना जाता है और 2023 के विधानसभा चुनाव में इन वर्गों का कांग्रेस के पक्ष में व्यापक समर्थन पार्टी की सत्ता में वापसी का प्रमुख कारण रहा था। आगामी चुनावों में भी इन वर्गों का समर्थन कांग्रेस के लिए अहम माना जा रहा है।

बुधवार को पहले चरण में 13 मंत्रियों को मंत्रिमंडल में शामिल किया। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सहित कुल 34 मंत्रियों की स्वीकृत संख्या है। मंत्रिपद के कई दावेदारों और सीमित रिक्तियों के बीच शिवकुमार को संतुलन बनाना होगा। नए मंत्रिमंडल में उन्हें जातीय समीकरणों, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और पूर्व मुख्यमंत्री